www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 200 || लखनऊ
गुरुवार
22 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:09
सूर्यास्तः 05:31
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार मतभेद अनेक फिर भी भारत... »पेज 04
वृंदावन पहुंचे भगवान जगन्नाथ... »पेज 06
रोहित और विराट का चयन उम्र...

‘यूपी पुलिसकर्मियों की बल्ले-बल्ले’

वर्दी से लेकर बाइक तक भत्ते में इजाफा, सीएम योगी का ऐलान

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

300 रुपए बढ़ाया योगी ने दरोगा-इंस्पेक्टर का बाइक भत्ता

2500 मिलेंगे अब मोबाइल रिचार्ज के लिए

लखनऊ। सीएम योगी ने बुधवार को पुलिस विभाग के लिए 3 बड़ी घोषणाएं कीं। पुलिस स्मृति दिवस पर उन्होंने कहा- अब प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) के अफसरों को वर्दी के लिए 6,400 नहीं, 15 हजार रुपए भत्ता मिलेगा। इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर का मोटरसाइकिल भत्ता भी 700 से बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दिया है। वहीं, पुलिसकर्मियों को मोबाइल रिचार्ज के लिए अब 2 हजार की जगह 2,500 रुपए मिलेंगे। योगी ने कहा, एक समय ऐसा था, जब पुलिस थानेदार या एसपी अपराधियों पर कार्रवाई करने से पहले सोचते थे। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई होते ही सत्ता के गलियारों से फोन आने लगते थे। कार्रवाई करने वाले ज्यादारियों पर ही गाज गिरती थी। उन्होंने दावा किया कि 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 815 दंगे हुए। मथुरा के जवाहर बाग कांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, उस समय पुलिस को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। सबसे बड़ी चुनौती फैक्ट्री के अंदर रसायन और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान होने के कारण भड़कती आग पर काबू पाना था। धुएं के घने गुबार के बीच दिखाई देना लगभग नामुमकिन था। लेकिन, बिना अपनी जान की परवाह किए दमकलकर्मियों की टीम पाइप लेकर अंदर दाखिल हुई। सबसे आगे थे तीर्थपाल सिंह और रोहित यादव। रोहित यादव वॉटर होज थामे सबसे आगे रहकर आग की सीधी लपटों पर पानी की बौछार कर रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

» अक्टूबर 2024 में योगी ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में बढ़ोतरी की थी। सिपाहियों को मिलने वाला वार्षिक वर्दी भत्ता 3 हजार रुपए से बढ़ाकर 6,400 रुपए किया था।

» अक्टूबर 2022 में पुलिस स्मृति दिवस पर साइकिल भत्ते को खत्म करके मोटरसाइकिल भत्ता शुरू किया। तब तक मिलने वाले 200 रुपए मासिक साइकिल भत्ते को बढ़ाकर 700 रुपए मासिक मोटरसाइकिल भत्ता किया।

» अक्टूबर 2021 में योगी ने पुलिसकर्मियों के उवें और मोबाइल/सिम उपयोग के लिए मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी करके 2 हजार रुपए किया था।

योगी बोले- अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्रवाई हो रही है।

“योगी ने कहा- 2017 में सरकार बनने के बाद पुलिस को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया गया। उन्होंने दावा किया कि आज प्रदेश में अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई हो रही है। कानून का राज स्थापित हुआ है। 4 अगस्त को तड़के करीब 3 बजे ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते धधकती लपटों और जहरीले धुएं के गुबार ने इलेक्ट्रॉनिक पीसीबी चिप मैन्युफैक्चरिंग की पूरी इमारत को चपेट में ले लिया। सायरन बचाते हुए एक दमकल गाड़ी वहां पहुंची।”

‘9 साल में पुलिस भर्ती और ट्रेनिंग की क्षमता बढ़ाई’

सीएम ने कहा, 2017 से पहले प्रदेश पुलिस की प्रशिक्षण क्षमता करीब 6 हजार कर्मियों की थी, जिसे बढ़ाकर 60 हजार से ज्यादा किया गया है। उन्होंने पुलिस भर्ती, महिला कर्मियों की संख्या बढ़ने और 7 बड़े शहरों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू किए जाने का भी जिक्र किया। योगी ने कहा- ‘प्रदेश में साइबर अपराधों से निपटने के लिए हर जिले में साइबर थाना और हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। महिला पीएसी की तीन बटालियन गठित करने और फॉरेंसिक संस्थान के निर्माण को भी पुलिस व्यवस्था में सुधार के प्रयासों का हिस्सा बताया।’ योगी ने यूपी के जिन 6 पुलिसकर्मियों के परिवारों को सम्मानित किया। ये 2 अलग-अलग घटनाओं में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए थे। पहली घटना ग्रेटर नोएडा में हुए अग्निकांड की है। इसमें 2 पुलिसकर्मियों ने अपनी जान गंवा दी। दूसरी घटना जालौन के कारोबारी के अपहरण की है।

सीएम ने यूपी के 6 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

पुलिस स्मृति दिवस पर योगी ने उत्तर प्रदेश के 6 पुलिसकर्मी की शहादत को नमन किया। उनके परिवारों को सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश में 2017 के बाद अपराधियों के खिलाफ अभियानों के दौरान 18 पुलिसकर्मियों के शहीद होने और 1,953 के घायल होने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों के लिए 425 करोड़ रुपए से ज्यादा की सहायता दिए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण सरकार की प्राथमिकता है।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 240 के पार, जीआरएपी-1 लागू

होटलों में तंदूर और जनरेटर के इस्तेमाल पर रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली-NCR में हवा की गुणवत्ता खराब होने के बाद बुधवार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) के पहले चरण की पाबंदियां लागू कर दी गईं। इसके तहत रेस्टोरेंट के तंदूर में कोयले और लकड़ी के इस्तेमाल करने पर रोक रहेगी। डीजल जनरेटर का इस्तेमाल केवल इमरजेंसी या जरूरी परिस्थितियों में किया जा सकेगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के मुताबिक, दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 20 अक्टूबर को 179 था, जो 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे बढ़कर 244 पहुंच गया। मौसम एजेंसियों ने आने वाले दिनों में भी AQI खराब श्रेणी में बने रहने का अनुमान जताया है। द लांसेट' की 2024 की स्टडी के मुताबिक, भारत के 10 प्रमुख शहरों में से दिल्ली की स्थिति सबसे खराब है, जहां प्रदूषित हवा हर साल 12,000 लोगों की जान ले रही है। हवा के प्रदूषण स्तर की जांच करने के लिए इसे 4 कैटेगरी में बांटा गया है। हर स्तर के लिए पैमाने और उपाय तय हैं।

इसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) कहते हैं। इसकी 4 कैटेगरी के तहत सरकार पाबंदियां लगाती है और प्रदूषण कम करने के उपाय जारी करती है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) एक तरह का टूल है, जो यह मापता है कि हवा कितनी साफ और स्वच्छ है। इसकी मदद से हम इस बात का भी अंदाजा लगा सकते हैं कि इसमें मौजूद एयर पॉल्यूटेंट्स से हमारी सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं।

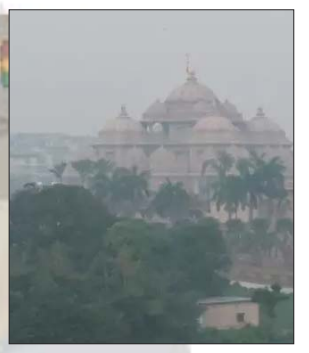

सेंगोल बनाने वाले एथिराज का निधन, 99 साल के थे

1947 में नेहरू को मिला, मोदी 2023 में संसद लाए

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। नए संसद भवन में स्थापित सेंगोल को बनाने वाले ज्वैलर्स थिरु वुम्मिडी एथिराज का बुधवार को चेन्नई में निधन हो गया। वे 99 साल के थे। एथिराज ने ऐतिहासिक 'सेंगोल' बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह सेंगोल 1947 में देश की आजादी के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया था। आजादी के बाद सेंगोल प्रयागराज के इलाहाबाद म्यूजियम की नेहरू गैलरी में रखा गया था। वहां इसकी पहचान नेहरू को उपहार में मिली सुनहरी छड़ी के रूप में दर्ज थी। 2018 तक एथिराज का परिवार भी सेंगोल से अनजान रहा। उन्हें एक आर्टिकल से इसके बारे में जानकारी मिली। 28 मई 2023 को पीएम मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया। साल 2023 में संसद में स्पीकर की कुर्सी के बगल में सेंगोल को स्थापित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

राहुल के विदेश दौरे पर सवाल

नई दिल्ली। राहुल गांधी के विदेश दौरे के सवाल पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा- मैं कोई ट्रैवल एजेंट नहीं हूं। मुझसे यह सवाल पूछने का कोई मतलब नहीं है। हर व्यक्ति की कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए मैं इस पर कोई कमेंट नहीं कर सकता। थरूर का यह बयान भाजपा की ओर से राहुल गांधी के विदेश दौरे की आलोचना के बाद आया।

एचएएल ने आईएएफ को पहले 3 एचटीटी-40 विमान सौंपे

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने इंडियन एयरफोर्स को पहले 3 HTT-40 बेसिक ट्रेनर विमान बुधवार को सौंप दिए हैं। पूरी तरह नए पायलटों की ट्रेनिंग शुरू होने में 2 साल तक लग सकते हैं। पहले HTT-40 की डिलीवरी 18 सितंबर को बेंगलुरु में हुई थी। IAF इन्हें हैदराबाद के पास एयरफोर्स अकादमी में नए पायलटों की ट्रेनिंग के लिए तैनात करेगी। इसके लिए पहले 25-30 विमानों का बेड़ा तैयार करना होगा। साथ ही, फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर्स को ट्रेनिंग देनी होगी।

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या मामले में 3 गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुनुरोक पहाड़ी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हमले में 19 अक्टूबर को 3 लोगों की मौत हो गई थी और 3 घायल हुए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 हथियार, 1,095 कारतूस और विस्फोटक बरामद किए हैं। राज्य के एडीजीपी ल्हारी दोरजी खाटू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंगलवार को यह जानकारी दी।

टाइगर पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से आए

दो महिलाओं ने पिस्टल-कारतूस मुंबई पहुंचाए, शूटर रेहान की मां बोली- मास्टरमाइंड हरियाणा में छिपा

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हुए हथियार अमृतसर से लाए गए थे। मुंबई पुलिस ने बुधवार को यह दावा किया। पुलिस ने बताया कि हरियाणा में सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को चारों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, सोमवार को फायरिंग करने वाले तीन लोग कोटा से गिरफ्तार हुए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में दो महिलाओं सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले 3 आरोपियों को कोटा से गिरफ्तार किया गया था।

“सूत्रों का कहना है कि कुणाल और सुमित को हथियार लाने के लिए अनिल पंडित ने 70 से 80 हजार रुपए दिए थे। इसमें से करीब 10 से 12 हजार रुपए राधा और बबीता को दिए गए। जांच के मुताबिक, कुणाल की मुलाकात राधा से करीब दो महीने पहले हुई थी। राधा और बबीता सोनीपत की एक फैक्ट्री में काम करती हैं। पुलिस का आरोप है कि कुणाल ने दोनों को हथियार मुंबई ले जाने के लिए तैयार किया।

लिखित माफीनामे और शपथ पत्र के बाद रिहाई, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पकड़े गए थे

सौरव दास और आशुतोष रांका को मिली जमानत

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को 7 दिन बाद दिल्ली की स्पेशल कोर्ट (SEM) से जमानत मिल गई है। दोनों को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। 8-10 CJP समर्थकों के साथ दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंचे थे। दरअसल, 12 अक्टूबर को सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी। इसके बावजूद 13 अक्टूबर को दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंच गए। शांति नियम तोड़ने के आरोप में उन्हें 5 दिन के लिए जेल भेजा गया था। फिर 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत 2 दिन और बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि नेता पहले मजिस्ट्रेट का फैसला आने दें, फिर जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएं। इसलिए कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से मौजूदा याचिका वापस लेकर रिवीजन पिटीशन लगाने को कहा। इसके बाद सौरव दास और आशुतोष रांका ने अपनी याचिकाएं वापस ले लीं। अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके अधिकारों का उल्लंघन हुआ है या किसी सरकारी अथॉरिटी ने गलत कानूनी कार्रवाई की है तो वह हाईकोर्ट में अनुच्छेद 226 के तहत याचिका लगा सकता है। जबकि रिवीजन में निचली अदालत के आदेश को कानूनी आधार पर चुनौती देने का विकल्प होता है। इस मामले में निचली अदालत ने फैसला दिया था, इसलिए उसके रिवीजन की ही पिटीशन पहले दायर की जानी थी। यह सुनवाई जस्टिस सुब्रमोनियम प्रसाद की अदालत में हुई।

हाईकोर्ट ने रिवीजन पिटीशन लगाने के लिए क्यों कहा?

कोर्ट ने कहा कि जब मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देने के लिए रिवीजन पिटीशन का विकल्प है, तो सीधे अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट आने की जरूरत क्यों पड़ी? जब किसी आदेश को चुनौती देने के लिए कानून में अलग रास्ता है तो पहले उस रास्ते का इस्तेमाल करना चाहिए।

सवाल रिजिजू के जरिए पीएम विपक्ष को जवाब देते हैं, ज्ञानेश कुमार की तरह उनका इस्तेमाल कर रहे

महिला आरक्षण लागू करें, परिसीमन का इंतजार क्यों : मल्लिकार्जुन खड़गे

तमसा संकेत, एजेंसी

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कर्नाटक के कलबुर्गी में महिला आरक्षण, परिसीमन और चुनाव सुधारों पर सरकार के रवैये पर सवाल उठाए। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा- सरकार लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर महिलाओं को 33% आरक्षण अभी लागू कर सकती है। इसके लिए परिसीमन का इंतजार करने की क्या जरूरत है। उन्होंने पीएन नरेंद्र मोदी पर विपक्ष को बदनाम करने का आरोप लगाया। खड़गे ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर टिप्पणी करते हुए कहा- प्रधानमंत्री विपक्षी नेताओं के पत्रों का खुद जवाब नहीं देते, बल्कि दूसरों के जरिए जवाब भिजवाते हैं। पीएम ने रिजिजू को असली अधिकार नहीं दिए हैं। ज्ञानेश कुमार की तरह मध्यस्थ की तरह उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि इससे उनकी जवाबदेही कम होती है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने, पुरानी व्यवस्था बहाल करने और मतदाता सूची में बदलाव की निगरानी बढ़ाने की मांग की। लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े 3 विधेयक को 17 अप्रैल को जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण पारित नहीं किया जा सका।

>> (शेष पेज 06 पर)

खड़गे ने मणिपुर में फिर हुई हिंसा को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राज्य में चार निर्दोष नागरिकों की हत्या निंदनीय है। खड़गे ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से तीन सवाल पूछे।

खड़गे की 3 मुख्य बातें...

1. **EVM हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग:** खड़गे ने EVM की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने और मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव होना जरूरी है। संविधान यह तय नहीं करता कि कांग्रेस या किसी दूसरी पार्टी को ही जीतना चाहिए। कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है।
2. **परिसीमन विधेयक पर विपक्ष की सहमति नहीं लेने का आरोप:** खड़गे ने कहा कि सरकार ने अप्रैल 2026 में परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक कम समय में और विपक्ष की सहमति के बिना लाने की कोशिश की। उन्होंने बड़े संवैधानिक बदलावों से पहले सभी दलों से चर्चा करने और सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की।
3. **चुनाव आयुक्तों को कानूनी संरक्षण देने वाला कानून हटाने की मांग:** खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 हटाने की मांग की। इस धारा के तहत चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक काम से जुड़े कुछ मामलों में कानूनी संरक्षण मिलता है।

डेढ़ साल की बच्ची को छठी मंजिल से फेंका

10 साल की पड़ोसी बच्ची के खिलाफ 7 दिन बाद एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव में डेढ़ साल की बच्ची की छठी मंजिल से गिरकर मौत मामले में पुलिस ने 7 दिन बाद हत्या की FIR दर्ज की है। बच्ची की मां ने 10 साल की पड़ोसी बच्ची पर उसे नीचे फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पहले आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया था। घटना 14 अक्टूबर की रात हुई थी। पुलिस के मुताबिक, CCTV फुटेज में नाबालिग लड़की छोटी बच्ची को उठाकर रेलिंग से खुले डक्ट में धकेलती दिखाई दी। इसके बाद वह वहां से भाग गई। सोसायटी के लोग घायल बच्ची को अस्पताल ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

घटना के बाद आरोपी बच्ची सीसीटीवी में कॉरिडोर में साइकिल चलाते और मृत बच्ची के घर में जाते हुए भी दिखाई दी। उस वक्त परिवार बच्ची को तलाश रहा था।

श्रद्धा दुबे की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिली

पूछताछ

एसटीएफ नागपुर से लखनऊ कार से लेकर आएगी, मददगार आमिर भी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंस

लखनऊ । यूपी STF को नागपुर जिला कोर्ट से श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिल गई है। STF कुछ देर में तीनों आरोपियों को लेकर नागपुर से लखनऊ के लिए रवाना होगी। पहले श्रद्धा दुबे को फ्लाइट से लाने की तैयारी थी, लेकिन लखनऊ के लिए सीधे फ्लाइट नहीं थी। इसलिए प्लान में बदलाव किया गया।

लखनऊ से नागपुर की दूरी 850 किमी है, ऐसे में पहुंचने में 15-18 घंटे लगेंगे। श्रद्धा को गुरुवार को लखनऊ कोर्ट में पेश किया जाएगा। इधर, गिरफ्तारी के बाद उसके 2 और ऑडियो सामने आए, जिसमें वह शिवा को गालियों के साथ धमकी दे रही है। मंगलवार को

नागपुर के एक अपार्टमेंट से श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और दानिश को गिरफ्तार किया गया था। उधर, यूपी एसटीएफ ने श्रद्धा के ड्राइवर आमिर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है आमिर शिवा की मौत के समय श्रद्धा के साथ था। लखनऊ में 9 अक्टूबर को शिवा शर्मा की श्रद्धा दुबे के फ्लैट से गिरकर संदिग्ध मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा दुबे के खिलाफ हत्या की एफआईआर कराई थी। वारदात के बाद से श्रद्धा फरार थी। हत्यारोपी श्रद्धा का आज जन्मदिन है। शिवा की मां रंजना शर्मा हरिद्वार में आज ही बेटे का अस्थि विसर्जन करने पहुंची हैं। वह श्रद्धा की गिरफ्तारी के बाद ही हरिद्वार के लिए रवाना

शिवा की मां अस्थि विसर्जन करेंगी, आज श्रद्धा का बर्थडे

शिवा शर्मा की हत्या में शामिल तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनकी मां रंजना शर्मा आज हरिद्वार में बेटे का अस्थि विसर्जन करेंगी। मंगलवार देर शाम श्रद्धा की गिरफ्तारी के बाद वह हरिद्वार रवाना हो गई थी। वहीं, आज यानी बुधवार को श्रद्धा दुबे का बर्थडे भी है।

शिवा शर्मा हत्याकांड: श्रद्धा के साथ बहन और ड्राइवर का क्या रोल?

श्रद्धा दुबे अपनी बहन और ड्राइवर के साथ नागपुर में बेलतरोड़ी थाना क्षेत्र के चिंचभवन स्थित 'प्रोज़ोन काम' (Prozone Calm) अपार्टमेंट में छिपी थी। यूपी एसटीएफ और नागपुर क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर तीनों को हिरासत में लिया। नागपुर पुलिस ने तीनों को उत्तर प्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

नागपुर कोर्ट ने श्रद्धा दुबे समेत तीनों आरोपियों की ट्रांजिट रिमांड यूपी पुलिस को दे दी है। पुलिस तीनों आरोपियों को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हो गई है।

हो गई थीं। श्रद्धा दुबे के ड्राइवर आमिर को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है आमिर श्रद्धा के साथ नेपाल भी गया था। उसी ने श्रद्धा के लिए फर्जी ID पर सिम लिया था।

यूपी पुलिस की एक टीम नागपुर के हुडकेश्वर पुलिस स्टेशन पहुंची है, जहां आरोपी श्रद्धा दुबे को रखा गया है।

बुद्धेश्वर मंदिर जा रहे बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत

वाहन की टक्कर लगते ही गिरे, पहिये के नीचे दब गए

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । पारा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह बुद्धेश्वर मंदिर दर्शन करने जा रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत हो गई। सड़क पार करते समय किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गिरकर पहिये के नीचे आ गए। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को पुलिस ने उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान पारा के उत्तमनगर लोधी भवन के रहने वाले हीरालाल (75) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उन्नाव जनपद के रहने वाले थे। बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह घर से बुद्धेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए निकले थे। इसी दौरान

सड़क पार करते समय अज्ञात डाले ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल हीरालाल को पारा स्थित संकल्प हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों के मुताबिक, हीरालाल पहले राजगीर का काम करते थे। उनकी आंखों की रोशनी भी कमजोर थी। मृतक के 3 बेटे हैं।

फास्ट न्यूज

रोजगार मेले में टाटा-अडाणी की कंपनियां आईं

लखनऊ । लखनऊ के ITI अलीगंज में बुधवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें टाटा-अडाणी समेत 8 कंपनियां 2550 पदों पर भर्ती कर रही हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 570 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 445 अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिए योग्य पाए गए। मेले में 10वीं, 12वीं, ITI, डिप्लोमा और ग्रेजुएशन तक की योग्यता वाले युवाओं को नौकरी पाने का मौका मिला।

गोमती नगर में दशहरा मेला रावण दहन

लखनऊ। लखनऊ में गोमती नगर के विज्ञान खंड में वैज्ञानिक स्वामी सत्यप्रकाश वेद विज्ञान सेवा समिति की ओर से दशहरा मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामलीला मंचन के बाद रावण दहन हुआ। बाराबंकी से आए कलाकारों ने राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की भूमिका निभाई। कलाकारों के मंचन को दर्शकों ने सराहा। इस दौरान अवनीन्द्र एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला, विशिष्ट अतिथि राकेश त्रिवेदी, नीरा सिन्हा वर्षा और रूप कुमार शर्मा मौजूद रहे।

लखनऊ में व्यक्ति के शव को नोचता दिखा कुत्ता

लखनऊ । लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के लोहरामऊ इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से जुड़ा मामला सामने आया है। शव लावारिस हालत में पड़ा था। इसी दौरान एक कुत्ता शव को नोचता रहा। वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

अब बल्क ट्रांसफर से आने वाले रक्त की भी होगी गुणवत्ता जांच

208 रक्त केंद्रों के निरीक्षण में सामने आईं गंभीर खामियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। रक्त के जरिए हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी और एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। इसलिए मरीज को चढ़ाए जाने वाले रक्त की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। रक्तदाता से रक्त लेने, उसकी जांच करने, सुरक्षित रखने और मरीज को देने तक हर स्तर पर तय मानकों का पालन होना चाहिए। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (यूपीएफएसडीए) ने दूसरे राज्यों से बड़ी मात्रा में मंगाए जाने वाले रक्त और उसके अवयवों की गुणवत्ता जांच की व्यवस्था मजबूत करने की पहल की है। आयुक्त एफएसडीए डॉ रोशन जैकब की ओर से बल्क ट्रांसफर से आने वाली रक्त यूनिटों की प्राप्तकर्ता केंद्र पर भी जांच कराने के लिए राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (एनबीटीसी) को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव के तहत प्रत्येक खेप

- दूसरे राज्यों से आने वाली रक्त यूनिटों में कम से कम 1 प्रतिशत की जांच कराने की पहल, हर खेप के साथ पायलट ट्यूब और संक्रमण जांच रिपोर्ट अनिवार्य
- 55 केंद्रों के लाइसेंस किए गए थे निलंबित

की कम से कम एक प्रतिशत यूनिट अथवा प्रति खेप न्यूनतम एक यूनिट, जो भी अधिक हो, की जांच कराने की सिफारिश की गई है। प्रस्ताव है कि यह जांच स्थानीय औषधि निरीक्षक की मौजूदगी में राजकीय रक्त केंद्र में कराई जाए। इसका उद्देश्य दूसरे राज्यों से आने वाले रक्त की गुणवत्ता की पुष्टि करना और संक्रमित या निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले रक्त के मरीजों तक पहुंचने का जोखिम कम करना है।

कांग्रेस का दावा: यूसुफ को असलम किया, सॉफ्टवेयर का एक्सेस डीएम को नहीं मिला

पीलीभीत में 13150 मुस्लिम वोटरों के नाम बदले

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर बड़े पैमाने पर मुसलमानों के वोट काटने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने दावा किया कि अकेले पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में 13,150 मुस्लिम वोटर्स के एपिक (EPIC) नंबर एक जैसे हैं। लेकिन, उनके नाम और पिता के नाम बदल दिए गए हैं। मतदाता का असली नाम हटाकर दूसरा नाम दर्ज कर दिया गया। उदाहरण के तौर पर 'मोहम्मद यूसुफ' की जगह 'असलम' नाम दर्ज कर दिया गया।

बुधवार को लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय पर पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

सुप्रिया श्रीनेत का आरोप है कि

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- 10 अप्रैल, 2026 को यूपी में फाइनल ड्राफ्ट लिस्ट आने के बाद जुलाई से सितंबर के बीच बिना किसी फॉर्म- 6 या फॉर्म- 7 के आधार पर वोटरों के नाम बदले गए। डीएम-एसडीएम को एक्सेस नहीं दिया जा रहा।

EPIC नंबर के अंतिम 4 अंक 7467 वाले मतदाता का नाम मोहम्मद यूसुफ, पिता का नाम रशीद और उम्र 33 साल दर्ज थी। इसे बदलकर असलम, पिता का नाम रमजान अली और उम्र 33 साल कर दिया गया।

इसी तरह मोहम्मद वसीम के पिता का नाम शेर

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- मुस्लिमों को वोट से वंचित करने के लिए खास पैटर्न

सुप्रिया श्रीनेत का आरोप है कि यह बदलाव एक खास पैटर्न के तहत मुख्य रूप से मुस्लिम समुदाय के पुरुष वोटरों के साथ किया गया है। यह इसलिए, जिससे परिवार का मुखिया वोट डालने न जा सके। इससे घर की महिलाएं भी वोट डालने नहीं जा पाएंगी। उन्होंने दावा किया कि पीलीभीत सदर सीट पर 2,600 नए वोटर बिना प्रक्रिया के जोड़े गए और 804 वोटरों के नाम काट दिए गए। यह यूपी सरकार में मंत्री संजय गंगवार की विधानसभा है। उन्होंने उनकी तस्वीर दिखाते हुए कहा कि गंगवार ने 2022 में अपना चुनाव 6,920 वोटों से जीता था। इस बार 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए, जबकि उनके EPIC नंबर पुराने ही हैं। इसी विधानसभा क्षेत्र में 16 हजार से ज्यादा वोटों में गड़बड़ी की गई है।

मोहम्मद के स्थान पर बाबू खान दर्ज किया गया। मोहम्मद इमरान का नाम बदलकर मुजम्मन कर दिया गया। उन्होंने 25 साल के मोहम्मद शराफ का नाम बदलकर अभिषेक और पिता का नाम मोहम्मद उमर से

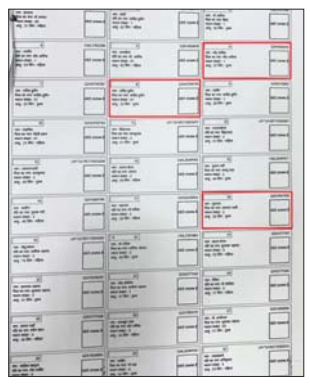

कांग्रेस का दावा है कि 10 अप्रैल को जारी फाइनल एसआईआर लिस्ट में ये नाम शामिल थे।

बदलकर सलीम खान दर्ज किए जाने का भी दावा किया।

सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि 10 अप्रैल, 2026 को यूपी की फाइनल SIR ड्राफ्ट सूची जारी हुई थी। इसमें करीब 2 करोड़ 4 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

लखनऊ में 4 हजार कर्मचारी जुटे, कहा- डिप्टी सीएम की भी नहीं सुन रहे

नौकरी पर वापसी न होने पर एम्बुलेंस टेक्नीशियन का धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को GVK EMRI ऑफिस के बाहर बुधवार को एम्बुलेंस टेक्नीशियन धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रदेश के कई जिलों से बड़ी संख्या में टेक्नीशियन पहुंचे। इनका आरोप है कि डिप्टी CM ब्रजेश पाठक के कहने के बाद भी कंपनी उन्हें नौकरी पर वापस नहीं रख रही है। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। टेक्नीशियन ने कंपनी के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन कोई मिलने को तैयार नहीं हुआ। धरने की अगुवाई कर रहे शरद यादव ने दावा किया कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों से करीब 3 से 4 हजार टेक्नीशियन

लखनऊ पहुंचे हैं। उनका आरोप है कि कंपनी ने बिना कोई ठोस कारण बताए उन्हें नौकरी से निकाल दिया था। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शरद यादव ने कहा कि डिप्टी सीएम ने हमें आश्वासन दिया और कहा कि कंपनी से बात हो गई है, हमारे सामने कंपनी को फोन किया गया और कहा गया कि अब जॉइनिंग करो। लेकिन जब हम कंपनी के गेट पर आए तो कंपनी के लोग कहने लगे कि ऐसे मंत्री बहुत आते-जाते हैं। हम सरकार और मंत्री को पैसा देते हैं। हम लोग 2012 से लगातार उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा कर रहे हैं। दो-दो कोविड काल में अपनी जान हथेली पर रखकर प्रदेशवासियों की सेवा की। लेकिन इनाम क्या मिला? 2021 में हम लोगों को बेरोजगार कर दिया गया। करीब 9 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया।

शरद ने कहा कि आज कंपनी के लोगों ने गेट पर ताला और शटर डाल दिया और भाग गए। अगर वे गलत नहीं हैं, तो हमसे बात क्यों नहीं करते? वे इसलिए भाग रहे हैं, क्योंकि

घर छोड़कर कैंप करने की तैयारी में प्रदर्शनकारी

प्रदर्शन कर रहे टेक्नीशियन ने कहा कुछ समय पहले डिप्टी CM ब्रजेश पाठक ने कंपनी के अधिकारियों से बातचीत कराकर नौकरी पर वापसी का भरोसा दिया था। इसके बावजूद कंपनी के अधिकारी उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अब टेक्नीशियनों के पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। कर्मचारी अपने घर छोड़कर लखनऊ आ गए हैं और यहीं कैंप कर रहे हैं। जब तक नौकरी वापस नहीं मिलती, तब तक लखनऊ नहीं छोड़ेंगे।

प्रदर्शन कर रहे टेक्नीशियन का आरोप है कि डिप्टी CM ब्रजेश पाठक के कहने के बाद भी कंपनी उन्हें नौकरी पर वापस नहीं रख रही है।

हमारे आरोप हैं कि यहां भ्रष्टाचार चरम पर है। कंपनी नए लोगों को भर्ती करती है और पुराने कर्मचारियों को निकाल देती है।

कंपनी के गार्ड भी कहते हैं कि मंत्री बहुत आते-जाते हैं। वे डिप्टी सीएम की बात भी नहीं मानते।

काकोरी में गैस गोदाम से 409 खाली सिलेंडर लूटे

22 हजार रुपए भी ले गए बदमाश, मजदूरों को पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। काकोरी थाना क्षेत्र के पुरैना गांव स्थित भारत गैस गोदाम से 409 खाली गैस सिलेंडर और मजदूरों की मजदूरी के 22 हजार रुपए की लूट का मामला सामने आया है। एजेंसी मालिक इस्लाम अहमद अब्बासी ने मोहम्मद यूसुफ समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की है। शिकायतकर्ता ने एक मजदूर को भी अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के मुताबिक, छह अक्टूबर 2026 को मोहम्मद यूसुफ चार अन्य लोगों के साथ कार से शाम करीब पांच बजे गैस गोदाम पहुंचा था। वहां मौजूद मजदूरों से पूछताछ करने के बाद

सभी लोग चले गए। आरोप है कि उसी रात करीब साढ़े आठ बजे पांचों लोग दोबारा गोदाम पहुंचे। उस समय मजदूर खाना बना रहे थे। आरोप है कि उन्होंने मजदूरों के साथ मारपीट की और उनका खाना फेंक दिया। इसके बाद गोदाम के गेट का ताला तोड़कर अंदर रखे 409 खाली सिलेंडर और मजदूरों की मजदूरी के 22 हजार रुपये लेकर फरार हो गए।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपितों ने मजदूरों को पीटकर गोदाम से भगा दिया और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

आरोप: लखनऊ में कहा- अधिकारी राजनीतिक कार्यकर्ता न बनें, वरना जेल जाएंगे

भाजपा बिना धांधली के चुनाव नहीं जीत सकती : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को लखनऊ के मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट पहुंचे। यहां उन्होंने मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से सपा के पूर्व प्रत्याशी सोनू कनौजिया के पिता स्वर्गीय रामगोपाल कनौजिया की तेरहवीं में शामिल होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

इस मौक़े पर पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने भाजपा और सरकार पर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बिना किसी हेराफेरी और

धांधली के कोई चुनाव नहीं जीत सकती। शिक्षक-स्नातक निर्वाचन को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर शिक्षकों को डराने-धमकाने का दबाव बनाया जा रहा है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि वोटर लिस्ट सामान्य तौर पर किसी के पास नहीं है, लेकिन भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के पास इसकी जानकारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर यह डेटा उनके पास कैसे पहुंचा। अखिलेश ने कहा कि संभव है कि किसी कंपनी को डेटा के लिए हायर किया गया हो। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्रियों की आवाज में वोटरों को कॉल किए जा रहे हैं। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से ऐसे कॉल की रिकॉर्डिंग करने को कहा। उन्होंने अयोध्या और फैजाबाद के चुनावों की रिकॉर्डिंग होने का भी दावा किया। अखिलेश यादव ने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाने वाले देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंकों को नुकसान पहुंचाया गया और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं हुआ।

अधिकारी अधिकारी रहें, राजनीतिक कार्यकर्ता न बनें

अखिलेश यादव ने कहा कि डीआई-ओएस और बीएसए फोन के जरिए शिक्षकों को धमका रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से चुनाव में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की अपील की। कहा कि अधिकारी अधिकारी रहें और राजनीतिक कार्यकर्ता न बनें। अगर अधिकारी राजनीतिक भूमिका में आए तो सरकार बदलने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और जेल जाना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि पर्याप्त प्रमाण मिलने पर अधिकारियों को जेल भेजने के लिए यही आधार पर्याप्त होगा। शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा।

शिक्षक-स्नातक चुनाव में सपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील

अखिलेश यादव ने शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में सपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। स्नातक क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ से शशांक यादव, लखनऊ से कांति सिंह, इलाहाबाद-झांसी से डॉ. मान सिंह, वाराणसी-मिर्जापुर से आशुतोष सिन्हा और मेरठ-सहारनपुर से प्रमेन्द्र सिंह को प्रत्याशी बताया। शिक्षक क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ से डॉ. आकाश अग्रवाल, लखनऊ से सुशील पटेल, गोरखपुर-फैजाबाद से डॉ. संजयन त्रिपाठी, बरेली-मुरादाबाद से हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर, वाराणसी-मिर्जापुर से लाल बिहारी यादव और मेरठ-गाजियाबाद से नितिन तोमर के पक्ष में मतदान की अपील की।

पति से झगड़े के बाद पत्नी ने की खुदखुशी फंदे पर लटका शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में बुधवार को एक विवाहिता ने सुसाइड कल लिया। वह कमरे के अंदर पंखे से फंदे पर लटकी मिली। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिवार के लोगों ने दरवाजे के तोड़कर शव बाहर निकाला। मंगलवार को पति दशहरे के मेले में गया था। इसी बात को लेकर हुआ था। इसके बाद वह कमरे में चली गई थी।

दोनों के बीच काफी दिनों से नाराजगी चल रही थी। मामला बंथरा इलाके का है। जानकारी होने पर मायके पक्ष के लोग भी विवाहिता के ससुराल पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मॉर्चरी भेज दिया है। वहीं, परिवार के लोगों से पुलिस पुछताछ कर रही है।

उन्नाव जिले के हसनगंज थाना अंतर्गत फरहदपुर स्थिति अच्छे खेड़ा

परिवार के लोगों ने दरवाजे को धक्का मार कर खोला। स्मिता अपने कमरे के अंदर पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे मृत लटकी मिली।

अखौली निवासी स्मिता की शादी करीब डेढ़ साल पहले बंथरा के लोनहा गांव निवासी अतुल शर्मा से हुई थी। अतुल अमौसी की एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। मंगलवार शाम अतुल दशहरा मेला देखने गया और रात भर घर नहीं लौटा। उसने सुबह आने की बात पिता अशोक को फोन पर बताई थी।

बुधवार सुबह 9 बजे अतुल घर पहुंचा तो पति-पत्नी में विवाद हो गया। स्मिता नाराज थी कि अतुल ने रात में घर न लौटने की बात उसे नहीं बताई,जबकि अपने पिता को बताई। उनके परिवारों के बीच पहले से ही नाराजगी थी। विवाद के बाद अतुल ड्यूटी चला गया।

अंदर से दरवाजा बंद था

अतुल के घर वालों और स्मिता के बीच काफी दिनों से नाराजगी चल रही थी और एक दूसरे से बात नहीं करते थे, इस वजह से कुछ देर बाद दोपहर को अतुल की चाची स्मिता के लिए खाना लेकर कमरे में गईं। दरवाजा अंदर से बंद था और आवाज देने पर भी नहीं खुला। काफी प्रयास के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला और ना ही अंदर से कोई जवाब मिला तो अतुल के छोटे भाई सनी ने दरवाजे में धक्का मार कर किसी तरह उसकी अंदर से बंद कुंडी तोड़ी।

उन्नाव में बॉक्स में बंद कर हाईवे किनारे फेंका शव, पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में रायबरेली-उन्नाव हाईवे पर हेल्थ हॉस्पिटल के सामने लोहे के बड़े बॉक्स में मिले खून से लथपथ युवक का शव मिला था। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, युवक सोनू की हत्या उसकी पत्नी ने पड़ोसी किरायेदार जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल के साथ मिलकर की थी। इसके बाद शव को चादर और कंबल में लपेटकर लोहे के बॉक्स में बंद किया गया और छोटा हाथी लोडर से लाकर हाईवे किनारे फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले में पत्नी नेहा रावत समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है,

जबकि एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल लोढ़ा-बट्टा, शव ले जाने वाला लोडर और लोहे का बॉक्स बरामद किया है। आरोपियों के पास से कुल 8,200 रुपए मिलने की भी जानकारी दी गई है। हालांकि, लोडर चालक और मालिक राजेश गुप्ता की भूमिका की जांच अभी जारी है। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में एक छोटा हाथी लोडर गदनखेड़ा की ओर से बॉक्स लेकर आता दिखाई दिया। कुछ समय बाद वही वाहन बॉक्स के बिना कानपुर की दिशा में जाता नजर आया। इससे पुलिस को शव ठिकाने लगाने में लोडर के इस्तेमाल का सुराग मिला। पुलिस के अनुसार, नेहा ने पड़ोसी किरायेदार जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल के साथ मिलकर पति की हत्या करने की बात स्वीकार की। इसके बाद शव ठिकाने लगाने में तौहीद और एक बाल अपचारी की भूमिका सामने आई।

चादर-कंबल में लपेटकर बॉक्स में रखा शव

पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई गई। जितेंद्र ने अपने परिचित लोडर चालक और मालिक राजेश गुप्ता से संपर्क किया। नेहा के बताए स्थान पर सामान पहुंचाने के लिए 1,200 रुपये में लोडर तय किया गया। इसके बाद शव को चादर और कंबल में लपेटकर लोहे के बड़े बॉक्स में रखा गया। पुलिस का आरोप है कि तौहीद और एक बाल अपचारी की मदद से बॉक्स को शुक्लागंज के कंचन नगर से गदनखेड़ा की ओर ले जाया गया।

एनपीआर कैमरों से मिला लोडर का नंबर

पुलिस ने घटनास्थल से आसपास के मार्गों तक लगे कैमरों की फुटेज की जांच की। एनपीआर कैमरों की मदद से लोडर का नंबर यूपी 35 एटी 1938 सामने आया। वाहन के पंजीकृत मालिक के रूप में राजेश गुप्ता का नाम मिला। इसके बाद पुलिस ने वाहन और उससे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के मुताबिक, 20 अक्टूबर को नेहा रावत ने किराये का कमरा खाली करने और सामान दूसरी जगह पहुंचाने के लिए 1,200 रुपये में लोडर तय किया था। पुलिस ने नेहा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में पति सोनू की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ।

पुलिस का कहना है कि समय के साथ नेहा और सोनू के बीच विवाद बढ़ने लगा था। आरोप है कि सोनू नशे का आदी हो गया था और दोनों के बीच अक्सर झगड़ा व मारपीट होती थी। पुलिस के अनुसार, इसी विवाद के चलते नेहा ने पड़ोसी किरायेदार जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल के साथ मिलकर पति की हत्या की योजना बनाई।

हाईवे किनारे बॉक्स में मिला था शव

मंगलवार रात करीब 10 बजे सदर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि रायबरेली-उन्नाव हाईवे पर हेल्थ हॉस्पिटल के सामने सड़क किनारे एक बड़ा बॉक्स संदिग्ध हालत में रखा है। पुलिस मौके पर पहुंची और बॉक्स खोलकर देखा तो अंदर चादर और कंबल में लिपटा युवक का शव मिला। शव खून से लथपथ था।

सूचना मिलने पर एसएसपी, एसपी उत्तरी और क्षेत्राधिकारी नगर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने सदर कोतवाली पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम को जल्द खुलासे के निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

दंगल में भूपेंद्र ने जीती कुश्ती

उन्नाव। उन्नाव के बिछिया ब्लॉक के नौगवां गांव में बुधवार को परंपरागत दंगल हुआ। इसमें उन्नाव के पहलवान भूपेंद्र यादव ने कानपुर के संजू को हराकर अंतिम कुश्ती जीती। उन्हें 31 हजार रुपए का इनाम मिला। दंगल देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और कुश्ती प्रेमी पहुंचे। यह दंगल पिछले करीब 75 साल से हो रहा है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जयचंद विमल इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

हरदोई में भूसे के कमरे में दिखा अजगर

हरदोई। हरदोई के माधौगंज विकास खंड की ग्राम पंचायत बेहटी में उमेश के घर में अजगर निकलने से परिवार में हलचल मच गई। अजगर भूसे वाले कमरे में दिखा था। गांव वालों ने तुरंत वन विभाग को इसकी खबर दी। जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

टीम में विवेक पांडे और अन्य वनकर्मी शामिल थे। टीम ने अजगर को पकड़कर उसका रेस्क्यू किया। वन विभाग के विवेक पांडे ने बताया कि पकड़े गए अजगर को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है। अजगर के पकड़े जाने के बाद घर के लोगों ने चैन की सांस ली।

युवक का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के सदमपुर गांव में मंगलवार रात रामलखन लोधी (29) का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। उनके पिता पुतान ने बेटे को इस हालत में देखा तो हैरान रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। रामलखन रात करीब दस बजे घर के एक कमरे में संदिग्ध हालात में फंदे से लटक गए। उस समय उनके पिता घर के बाहर बैठे थे।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं शाहाबाद जा रही थीं, सीएचसी में इलाज जारी

ऑटो पलटने से 8 लोग हुए घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में बुधवार सुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। पचदेवरा थाना क्षेत्र के अनंगपुर-पिपरिया मार्ग पर मुर्तजानगर धर्म कांटे के पास एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे के समय ऑटो में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं सवार थीं, जो शाहाबाद जा रही थीं। दुर्घटना में ऑटो चालक समेत आठ लोग घायल हो गए। घायलों में छह की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि दो लोगों को हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक, पचदेवरा थाना क्षेत्र के नरभा गांव की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं

बुधवार सुबह ऑटो से शाहाबाद के लिए निकली थीं। महिलाएं अपने गंतव्य की ओर जा रही थीं, तभी अनंगपुर-पिपरिया मार्ग पर मुर्तजानगर धर्म कांटे के पास ऑटो हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि ऑटो की रफ्तार तेज थी। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते ऑटो सड़क से नीचे उतरकर खाई में पलट गया। अचानक हुए हादसे के कारण ऑटो में सवार महिलाओं को संभलने का मौका नहीं मिला और कई लोग घायल हो गए। ऑटो के खाई में पलटने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के बाद सड़क पर जुटी भीड़

ऑटो पलटने की घटना के बाद घटनास्थल पर आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद करने के साथ पुलिस और एंबुलेंस को सूचना देने में अहम भूमिका निभाई। समय रहते घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। हरदोई के पचदेवरा क्षेत्र में हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों से होने वाले खतरे को सामने ला दिया है। फिलहाल, दुर्घटना में घायल सभी लोगों के उपचार पर ध्यान दिया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य में मदद की। ऑटो में फंसे लोगों को बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था की गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसके बाद एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार शुरू किया गया। हादसे में घायल लोगों की स्थिति को देखते हुए छह घायलों की हालत गंभीर बताई गई, जबकि दो लोगों को हल्की चोटें आई हैं। हालांकि, घायलों की पहचान और उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ऑटो चालक दिव्यांग था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके चलते ऑटो खाई में पलट गया। हालांकि, हादसे के सटीक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

बेटी के सामने गोमती नदी में कूदी महिला

गोताखोर तलाश में जुटे, दिल्ली से आई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में बुधवार सुबह एक महिला ने अपनी आठ साल की बेटी के सामने गोमती नदी में छलांग लगा दी। मां को कूदता देख बेटी चीखने लगी। लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से महिला की तलाश शुरू कर दी है। महिला की पहचान 35 वर्षीय शर्मा देवी के रूप में हुई है। वह इनायतपुर, थाना कोठी, बाराबंकी की रहने वाली हैं। शर्मा देवी अपनी बेटी आंशिका के साथ अवसानेश्वर स्थित गोमती नदी पुल पर पैदल जा रही थीं, तभी उन्होंने यह कदम उठाया। हैदरगढ़ कोतवाली प्रभारी अनिल पांडेय ने बताया कि महिला की

तलाश जारी है। महिला के पिता बाबूलाल रावत ने बताया कि उनकी बेटी बुधवार सुबह दिल्ली से घर आई थी। दो दिन पहले बात हुई थी, लेकिन उसने किसी परेशानी की जानकारी नहीं दी थी। महिला ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाराबंकी में एसपी रवीना त्यागी ने पुलिस कार्यालय का किया निरीक्षण

लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। पुलिस कार्यालय की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने और लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए बुधवार को पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं में चल रहे कार्यों की जानकारी ली और अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति जांची। एसपी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालयीन व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने, महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने और लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालय के कामकाज में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान एसपी रवीना त्यागी ने अपर

पुलिस अधीक्षक पेशी, आंकिक शाखा, आईजीआरएस सेल, सीसीटीएनएस और हेल्प डेस्क सहित पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित शाखाओं में होने वाले कार्यों की जानकारी प्राप्त की और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके कार्यों तथा कार्यालयीन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शाखाओं में कामकाज व्यवस्थित ढंग से होना चाहिए, ताकि विभागीय कार्यों को समय पर पूरा किया जा सके।

शव रखकर सड़क जाम, 36 लोगों पर केस

मायके पक्ष ने किया था प्रदर्शन, एंबुलेंस और मरीजों के वाहन भी फंसे, पति हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। सदर विधायक पंकज गुप्ता और कोतवाली सदर के प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र ने प्रदर्शन कर रहे परिजनों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने परिजनों को मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। काफी देर तक समझाने-बुझाने के बाद परिजन जाम समाप्त करने और शव का अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार हुए। इसके बाद स्थिति को सामान्य करने की प्रक्रिया शुरू हुई।

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बलारदेव गांव में विवाहिता प्रीति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला गरमा गया। बेटी की मौत को हत्या बताते हुए मायके पक्ष ने पोस्टमार्टम के बाद शहर के छोटा चौराहा पर शव रखकर प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दी। इस दौरान यातायात बाधित होने के साथ एंबुलेंस और मरीजों को ले जाने वाले वाहन भी जाम में फंस गए। मामले में कोतवाली सदर पुलिस ने सड़क जाम करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में 11 नामजद समेत 20 से 25 अज्ञात महिला-पुरुषों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने मृतका के पति राजकुमार को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को 25 वर्षीय

प्रीति का शव उसके घर के एक कमरे में फंदे से लटका मिला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने प्रीति की मौत को सामान्य घटना मानने से इनकार करते हुए ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया। परिजनों का कहना था कि उनकी बेटी को ससुराल में प्रताड़ित किया जाता था और इसी विवाद के चलते उसकी हत्या किए जाने की आशंका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इन 11 लोगों को किया गया नामजद

पुलिस ने मामले में सुरेश, रिंकू, अंकित, नीलम, नेहा, सुनील सिंह, डब्ली, भीम, सफीपुर निवासी नीलम, हिमांशु उर्फ लाल और पवन को नामजद किया है। इसके अलावा 20 से 25 अज्ञात महिला-पुरुषों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने मृतका के पति राजकुमार को हिरासत में लिया है। मामले में दहेज उत्पीड़न, मौत की परिस्थितियों और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम

प्रीति की मौत को लेकर मायके पक्ष की ओर से हत्या की आशंका जताए जाने के बाद दो डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के दौरान बाईं आंख के पास और चेहरे पर चोट के निशान मिलने की बात सामने आई। इन निशानों को लेकर भी परिजनों ने सवाल उठाए हैं। वहीं, थानाध्यक्ष के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग यानी फंदे से लटकना बताया गया है। ऐसे में मौत से पहले की परिस्थितियों, शरीर पर मिले चोट के निशानों और परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों को जांच के दौरान ध्यान में रखा जाएगा। पोस्टमार्टम में मौत का कारण हैंगिंग बताया जाना अपने आप में यह तय नहीं करता कि घटना आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई अन्य परिस्थिति थी। इस पहलू पर पुलिस की जांच महत्वपूर्ण होगी।

किसान ने पत्नी की साड़ी से फंदा लगाकर जान दी

शराब के नशे में घर पहुंचा था, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बघौली थाना क्षेत्र के रोहापार मजरा गोंडाराव गांव में मंगलवार रात 40 वर्षीय सर्वेश कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। इसके बाद अपने कमरे में अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक कोई आहट नहीं मिलने पर परिजनों ने दरवाजा खोला तो उसका शव फंदे से लटका मिला। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। मृतक के भाई विनीत ने बताया कि सर्वेश खेती-किसानी करता था। परिवार में पत्नी पुष्पा

के अलावा एक बेटा और चार बेटियां हैं। इनमें से बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। मंगलवार देर शाम सर्वेश शराब के नशे में घर पहुंचा। कुछ देर रुकने के बाद वह अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक कमरे से कोई आहट नहीं मिलने पर परिजनों को शक हुआ। उन्होंने दरवाजा धक्का देकर खोला तो सर्वेश का शव छत के कुंडे में साड़ी के फंदे से लटका मिला। यह देखकर परिजनों के होश उड़ गए। घर में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की, लेकिन शुरुआती जांच में सर्वेश के आत्महत्या करने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। थानाध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि मामला संज्ञान में है। परिजनों की ओर से दिए जाने वाले शिकायती पत्र और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परैया नमक सार में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

भक्तों ने नम आंखों से दी विदाई, अगले साल फिर आने की कामना

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के छतोह ब्लॉक क्षेत्र के परैया नमक सार में नवरात्रि और दशहरा पर्व के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। इस दौरान भक्तों ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी और अगले साल फिर आने की कामना की। प्रतिमाओं को सजाए गए वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रखकर ले जाया गया। विसर्जन यात्रा में श्रद्धालु शामिल हुए और मां दुर्गा के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। इस दौरान माहौल में भक्ति और उत्साह दिखा। नवरात्रि में पूजा पंडालों में मां दुर्गा की पूजा हुई थी। श्रद्धालुओं ने परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। नौ दिनों के धार्मिक आयोजन के बाद प्रतिमा विसर्जन के साथ पर्व खत्म हुआ।

चकबंदी शुरू कराने डीएम ऑफिस पहुंचे ग्रामीण

लेखपाल समेत अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर तहसील के अजिगवां गांव के ग्रामीण बुधवार को डीएम कार्यालय पहुंचे। वे चकबंदी प्रक्रिया फिर से शुरू कराने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध कब्जे और गरीब व दलित परिवारों की भूमि विवादों का हवाला दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अजिगवां गांव में 2015 में चकबंदी शुरू हुई थी। 2017 में ग्राम सहायक चकबंदी अधिकारी ने चकों का निर्माण भी पूरा कर लिया, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। उनका आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने ग्राम समाज की जमीनों

पर कब्जा कर रखा है। ग्रामीणों ने चकबंदी लेखपाल ईशू द्विवेदी समेत अन्य अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि अधिकारी मौके पर जांच के बजाय कार्यालय में बैठकर रिपोर्ट बनाते हैं। ग्रामीणों ने राजस्व विभाग के उपजिलाधिकारी स्तर के अधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने पहले भी अधिकारियों और मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजे थे। उन्होंने आशंका जताई कि चकबंदी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से ग्राम समाज की जमीनों को कथित कब्जों से मुक्त कराने और गरीब परिवारों को उनकी जमीन का हक दिलाने में बाधा बनी रहेगी। ग्रामीणों ने डीएम से मांग की कि चकबंदी विभाग से बाहर के किसी उपजिलाधिकारी स्तर के अधिकारी से पूरे प्रकरण की जांच कराई जाए। साथ ही जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए गांव में चकबंदी प्रक्रिया शुरू कराई जाए, ताकि जमीनों से जुड़े विवादों का समाधान हो सके और प्रभावित परिवारों को न्याय मिल सके।

सम्पादकीय

संघ प्रमुख की चेतावनी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अपने वार्षिक उत्सव पर जो कुछ कहा, उस पर सभी को ध्यान देना चाहिए-चाहे वे इस संगठन की रीति-नीति से असहमत लोग ही क्यों न हों। उनकी यह चेतावनी समयानुकूल है कि भारत में बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की जो कोशिश हो रही है, उसके पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं, जो देश को कमजोर कर अपने संकीर्ण स्वार्थ सिद्ध करना चाहती हैं।

इनमें विदेश की भी कुछ शक्तियां हैं, जो असंतोष को हवा देकर देश में अराजकता फैलाने के लिए सक्रिय हैं। इन शक्तियों में जहां कुछ ऐसे संगठन हैं, जिन्हें भारत की प्रगति रास नहीं आ रही है तो कुछ ऐसे भी, जिन्हें भारत का वर्तमान शासन अपने हितों के अनुकूल नहीं लग रहा है। ऐसी शक्तियों का सबसे बड़ा हथियार हैं सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्म।

इंटरनेट मीडिया ऐसी तकनीक पर काम करता है कि वह लोगों के सोच को कहीं अधिक आसानी से दुष्प्रभावित कर देता है। कई बार तो वह विवेक का पूरी तरह हरण कर लेता है। एआइ के आगमन के चलते यह काम और बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। इसी कारण संघ प्रमुख ने यह रेखांकित किया कि नई तकनीक सीखना और उसमें सक्षम बनना आवश्यक है, लेकिन इसी के साथ नैतिकता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आज इसकी अनदेखी नहीं हो सकती कि इंटरनेट मीडिया के जरिये भारत में सामाजिक विभाजन की खाई को चौड़ा करने का ही काम नहीं किया जा रहा है, बल्कि नितांत झूठे और भ्रामक नैरेटिव से लोगों को बरगलाया-उकसाया भी जा रहा है। इसके लिए कई बार लोगों की कुछ जायज चिंताओं की शातिर तरीके से आड़ ली जाती है और फिर संबंधित आंदोलन को खतरनाक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगता है। चिंताजनक यह है कि जन समर्थन पाने के लोभ में राजनीतिक दल भी ऐसे आंदोलनों का साथ देने के लिए आगे आ जाते हैं। देश में इन दिनों यही देखने को मिल रहा है। भारत के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त करते हुए संघ प्रमुख ने एक और महत्वपूर्ण बात यह कही कि देश और समाज को चलाने की जिम्मेदारी केवल नेताओं की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी है।

वे इस जिम्मेदारी का निर्वाह अनुशासन भाव का परिचय देकर और नियम-कानूनों के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहकर ही कर सकते हैं। वास्तव में देश के समग्र विकास की यही कुंजी है। यह समझा ही जाना चाहिए कि हर समस्या का समाधान आंदोलन नहीं हैं और ऐसे आंदोलन तो कतई नहीं, जो लोगों को विभाजित करने का काम करते हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति और खुशहाली के लिए यह आवश्यक है कि मतभेदों और असहमतियों के बाद भी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता

> भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं।

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्बोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।

बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित की वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें। आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वर्षों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उत्तेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रसेवा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो। भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे। राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्वक खड़ा हो सके।

ललित गर्ग

साहित्य केवल समाज...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बदलती पीढ़ियाँ, परंपरा और सामाजिक पुनरुत्थान

हर पीढ़ी अपने समय की नवीनता के साथ होती है, लेकिन वह केवल अपने समय से नहीं बनती। उसके भीतर पिछली पीढ़ियों की स्मृतियाँ, संस्कार और अनुभव भी होते हैं और आने वाले समय की आकांक्षाएँ भी। इसलिए पीढ़ियों का अंतर केवल उम्र का अंतर नहीं बल्कि समय को देखने की दृष्टि का अंतर है।

आज जेन जी और अल्फा जी जिस दुनिया में बड़े हो रहे हैं, वह पिछली पीढ़ियों की दुनिया से मूलतः भिन्न है। सूचना उनकी जेब में है, संवाद स्क्रीन पर है और दुनिया की सीमाएँ उनके लिए पहले जैसी नहीं रहीं। उन्होंने तकनीक को अपनाया नहीं है, बल्कि तकनीक के साथ ही जीवन को समझना शुरू किया है। उनकी सोच अधिक स्वतंत्र, प्रश्नाकुल और वैश्विक है। वे परंपरागत मान्यताओं को केवल इसलिए स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं कि वे पुरानी हैं। वे ज्यादा तार्किक और वैज्ञानिक सोच के साथ बढ़ रहे हैं।यह परिवर्तन आश्वस्त भी करता है और चिंतित भी।

आश्वस्त इसलिए कि नई पीढ़ी समानता, स्वतंत्रता, पर्यावरण, मानवीय गरिमा और व्यक्तिगत पहचान जैसे प्रश्नों को गंभीरता से लेती है। वह स्थापित धारणाओं से संवाद करने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें चुनौती देने का साहस रखती है। चिंता इसलिए कि अत्यधिक गति के इस समय में कहीं धैर्य, आत्मीयता, सामुदायिकता और स्मृति जैसे मूल्य पीछे न छूट जाएँ। सूचना का विस्तार ज्ञान की गारंटी नहीं है और तकनीकी संपर्क आत्मीय संवाद का पर्याय नहीं। हमारे पास पहले से अधिक साधन हैं, लेकिन यह प्रश्न अब भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन साधनों के बीच मनुष्य अपने भीतर कितना बचा रह पाता है। यहीं परंपरा का प्रश्न सामने आता है। परंपरा अतीत का बोझ नहीं, अनुभव की संचित ऊर्जा है। जीवित परंपरा वह है जो समय के साथ प्रश्न पूछती है, बदलती है और अपने मूल मानवीय अर्थ को नए संदर्भों में पुनः खोजती है। स्थापित करती है, सुधार करती है। इसलिए नई पीढ़ी से यह अपेक्षा करना कि वह सब कुछ वैसा ही स्वीकार कर ले जैसा पिछली पीढ़ियों ने किया, उचित नहीं। लेकिन पुरानी पीढ़ी के अनुभवों को केवल इसलिए अप्रासंगिक मान लेना भी उतना ही अधूरा दृष्टिकोण है। आवश्यक है कि दोनों के बीच संवाद हो, टकराव नहीं। परंपरा को बचाने का सबसे प्रभावी तरीका उसे नई पीढ़ी पर थोपना नहीं, बल्कि उसके अर्थ को उसके जीवन से जोड़ना है। यदि हम करुणा, सत्य, श्रम, प्रकृति, परिवार, सामाजिक उत्तरदायित्व और सहअस्तित्व को महत्वपूर्ण मानते हैं, तो इन मूल्यों की प्रासंगिकता आज की भाषा में समझानी होगी। नई पीढ़ी को अतीत की श्रेष्ठता के प्रमाण नहीं, उसके अनुभवों का अर्थ चाहिए। यहीं से पुनरुत्थान की अवधारणा जन्म लेती है। पुनरुत्थान का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, बल्कि अतीत की सार्थक चेतना को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्जीवित करना है। जो परंपरा मनुष्य को अधिक संवेदनशील, विवेकशील और उत्तरदायी बनाती है, उसे बचाना पुनरुत्थान है। जो केवल रूढ़ि है और मनुष्य की स्वतंत्रता या गरिमा को सीमित करती है, उससे मुक्त होना भी पुनरुत्थान का ही हिस्सा है।

साहित्य केवल समाज का दर्पण नहीं है। वह समाज की स्मृति, उसकी अंतरात्मा और उसके भविष्य की कल्पना भी है। वह यह दर्ज करता है कि किसी समय मनुष्य ने क्या देखा, क्या सहा, क्या चाहा और किस तरह के समाज का सपना देखा। इसलिए आज का साहित्य यदि अपने समय को ईमानदारी से प्रतिबिंबित करना चाहता है, तो उसे नई पीढ़ी के हाथ में मौजूद तकनीक के साथ साथ उसके भीतर चल रहे मानसिक और नैतिक द्वंद्व को भी समझना होगा। नई पीढ़ी को केवल तकनीक से जोड़कर देखना उसके साथ अन्याय होगा। उसके प्रश्न पहचान के हैं, स्वतंत्रता के हैं, संबंधों के हैं, भविष्य की अनिश्चितताओं के हैं और उस दुनिया के हैं जिसमें अवसरों के साथ अकेलापन भी बढ़ रहा है। साहित्य को इन अनुभवों का साक्षी बनना होगा।साथ ही साहित्य का एक और दायित्व है, पीढ़ियों के बीच संवाद का सेतु बनना। दादा दादी की स्मृतियाँ, माता पिता के संघर्ष और नई पीढ़ी के सपने जब एक ही कथा में मिलते हैं, तब परंपरा जीवित अनुभव में बदल जाती है। लोककथा, लोकगीत, संस्मरण, पारिवारिक कथाएँ और स्थानीय इतिहास इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि वे हमें बताते हैं कि हम कहाँ से आए हैं। लेकिन उनका मूल्य तभी स्थायी होगा जब वे यह भी बता सकें कि आज हमारे लिए उनकी प्रासंगिकता क्या है।

पीएम गति ...

सरिता वर्मा

पीएम गति शक्ति से विकास परियोजनाओं को मिल रही है तेजी

उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य परियोजना शुरू होने से पहले ही उसकी जरूरत, उपलब्ध संसाधनों और संभावित बाधाओं का आकलन करना है, ताकि निर्माण के दौरान आने वाली अड़चनों को कम किया जा सके और परियोजनाएं समय पर आगे बढ़ें।

पीएम गति शक्ति की खासियत विभिन्न विभागों से संबंधित सूचनाओं को एक साझा मंच पर उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश ने इस प्लेटफॉर्म पर 29 अनिवार्य डेटा लेयर्स को एकीकृत किया है, जबकि 56 अतिरिक्त विभागीय लेयर्स शुरू या एकीकृत की जा चुकी हैं। इससे किसी क्षेत्र की सड़क, बिजली, परिवहन, भूमि, सामाजिक और अन्य आधारभूत जरूरतों को एक साथ देखते हुए परियोजना की बेहतर योजना तैयार करने में मदद मिलती है। इस व्यवस्था के प्रभावी उपयोग को लेकर हाल ही में लखनऊ स्थित इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों और जिलों के 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। लोक निर्माण, ऊर्जा, यूपीडा, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास समेत कई विभागों के अधिकारियों ने परियोजना स्तर पर पीएम गति शक्ति के उपयोग और इसके व्यावहारिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। अब इसका फोकस केवल नियोजन तक सीमित न रहकर परियोजनाओं को जमीन पर तेजी से उतारने पर है। प्रदेश में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत 2,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 32 से ज्यादा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया गया है। ऐसी परियोजनाओं में कई विभागों और एजेंसियों की भागीदारी होती है। साझा नियोजन से इनके बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और कार्यों में अनावश्यक देरी से बचने में मदद मिल रही है। पीएम गति शक्ति को परियोजना व्यवस्था का हिस्सा बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को इसके तहत विचार के लिए रखा जाना आवश्यक किया गया है। सभी 75 जिलों में जिला स्तरीय नियोजन व्यवस्था लागू है। 2,000 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि परियोजना नियोजन और निगरानी के लिए 26 से अधिक एप्लिकेशन विकसित किए गए हैं। इससे स्थानीय स्तर पर भी परियोजनाओं की योजना और प्रगति की निगरानी को मजबूत आधार मिला है।

पीएम गति शक्ति का क्रियान्वयन अब विभिन्न क्षेत्रों की परियोजनाओं में भी हो रहा है। 'पहुंच' शिक्षा नियोजन उपकरण, लखनऊ मेट्रो चरण-1बी के संरेखण की योजना और अन्नपूर्णा भवन के लिए भूमि की पहचान इसके उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट है कि एकीकृत डेटा का उपयोग केवल बड़े निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, शहरी परिवहन और अन्य सामाजिक जरूरतों से जुड़ी परियोजनाओं में भी किया जा सकता है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, रेल और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। ऐसे में अलग-अलग क्षेत्रों की परियोजनाओं को एक-दूसरे से जोड़कर देखना जरूरी है।

सीजेपी के विरोध में 'लाल हिट जनता पार्टी का उदय

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले 'लाल हिट जनता पार्टी नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए।'लाल हिट जनता पार्टी' के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लडना नहीं बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है।

- सौरभ वार्ष्णेय

जरा हटके

जनपद गाजियाबाद...

डॉ0 सीमा गुप्ता

गाजियाबाद में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से सशक्त हो रहा मातृत्व और पोषण

केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में और प्रदेश सरकार द्वारा 'मिशन शक्ति' के 'सामर्थ्य' घटक के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY 2.0) गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य व पोषण को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) पर आधारित इस कल्याणकारी पहल का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान होने वाले मजदूरी के नुकसान की आंशिक भरपाई करना और महिलाओं को आवश्यक आराम व समुचित पोषण उपलब्ध कराना है।

जनपद गाजियाबाद में इस योजना का क्रियान्वयन अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जा रहा है, जहां जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन में समाज के अंतिम पायदान पर स्थित पात्र महिलाओं तक समयबद्ध आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। यह योजना न केवल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में सहायक बन रही है, बल्कि समय पर प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), संस्थागत प्रसव तथा नवजात के पूर्ण टीकाकरण को भी जन आंदोलन का रूप दे रही है। योजना के धरातलीय प्रभाव का प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद गाजियाबाद के कौशाम्बी क्षेत्र की निवासी श्रीमती रीतू शुक्ला (पत्नी श्री मनोज कुमार) के अनुभव में दिखाई देता है। पहली बार मां बनने के दौरान परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति के कारण वह गर्भावस्था से जुड़े अतिरिक्त चिकित्सा एवं पोषण व्यय को लेकर अत्यंत चिंतित थीं। परिवार के लिए नियमित दवाओं, संतुलित आहार और आवश्यक चिकित्सकीय जांचों का खर्च वहन करना उनके लिए एक चुनौती बना हुआ था।

ऐसे समय में क्षेत्र की स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकत्री ने गृह भ्रमण के दौरान उनसे संपर्क साधा और उन्हें केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यकत्री के सक्रिय सहयोग से रीतू शुक्ला का आवश्यक प्रपत्रों के साथ योजना के पोर्टल पर त्वरित पंजीकरण कराया गया। इसके उपरांत निर्धारित समयावधि में प्रथम प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) पूर्ण होते ही उनके बैंक खाते में 3,000 की पहली किस्त सीधे अंतरित कर दी गई।

इस आरंभिक आर्थिक सहयोग से रीतू को गर्भावस्था के नाजुक दौर में फल, हरी सब्जियां, दूध और पोषण संबंधी अन्य जरूरी वस्तुएं जुटाने में महत्वपूर्ण संबल मिला। इसके पश्चात संस्थागत प्रसव और नवजात शिशु के जन्म पंजीकरण सहित प्राथमिक टीकाकरण चक्र (बीसीजी, ओपीवी, डीपीटी एवं हेपेटाइटिस-बी) पूर्ण होने पर उन्हें 2,000 की दूसरी किस्त भी डीबीटी के माध्यम से सुगमता से प्राप्त हो गई। आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर मातृत्व का सुख प्राप्त करने वाली रीतू शुक्ला आज एक स्वस्थ बच्ची की मां हैं। उन्होंने इस जीवनोपयोगी सहायता के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। अब वह अपने क्षेत्र की अन्य गर्भवती महिलाओं को भी समय से पंजीकरण कराने और स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित जांच कराने के लिए जागरूक व प्रेरित कर रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 2.0 के संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, पहले जीवित बच्चे के जन्म पर पात्र धात्री महिला को दो किस्तों में कुल 5,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें गर्भावस्था के समय पर पंजीकरण एवं न्यूनतम एक प्रसव पूर्व जांच पर 3,000 तथा शिशु के जन्म पंजीकरण व 14 सप्ताह तक के प्राथमिक टीकाकरण चक्र के पूर्ण होने पर 2,000 की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। इसके साथ ही, समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने तथा लिंगानुपात में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से योजना में विशेष प्रावधान जोड़ा गया है। यदि लाभार्थी की दूसरी संतान बालिका होती है, तो महिला को प्रसव उपरांत 6,000 की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह व्यवस्था कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम और बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य की नींव को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभा रही है।

जनपद गाजियाबाद में योजना को शत-प्रतिशत संतृप्त करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस) विभाग के मध्य सुदृढ़ अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया गया है। जनपद के घने शहरी क्षेत्रों, औद्योगिकीकृत बस्तियों तथा ग्रामीण विकास खंडों में कार्यरत आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष दायित्व सौंपे गए हैं, जिससे कोई भी पात्र महिला जानकारी के अभाव में लाभ से वंचित न रहे।

जनपद के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित होने वाले ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) और नगरीय स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (यूएचएनडी) के अवसरों पर विशेष पंजीकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान और टीकाकरण के साथ-साथ योजना के फॉर्म ऑनलाइन भरवाने की व्यवस्था की गई है।

योजना की संपूर्ण प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी, सुरक्षित और बिचौलिया-मुक्त बनाने के लिए अत्याधुनिक 'पी.एम.एम.वी.वाई. सॉफ्ट पोर्टल' का उपयोग किया जा रहा है। इसमें आधार-आधारित अधिप्रमाणन और राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों का त्वरित सत्यापन किया जाता है। वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थी के आधार-सीडेड बैंक अथवा डाकघर खाते में अंतरित होती है, जिससे धनराशि के दुरुपयोग की कोई संभावना नहीं रहती। जिला प्रशासन द्वारा जनपद स्तर पर योजना की प्रगति, आवेदनों के सत्यापन और भुगतान की स्थिति की नियमित समीक्षा की जा रही है। पोर्टल पर दर्ज होने वाले डाटा का रीयल-टाइम अनुश्रवण सुनिश्चित किया गया है, ताकि यदि किसी लाभार्थी के बैंक खाते अथवा प्रपत्रों में कोई तकनीकी त्रुटि सामने आए, तो विभागीय कर्मी तत्काल घर जाकर उसका निराकरण करा सकें।

मातृत्व और शिशु कल्याण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का प्रभाव केवल नकद हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति व्यवहारिक परिवर्तन ला रही है।

नोएडा पुलिस किसानों को टांगकर ले गई

महिलाओं को घसीटकर वैन में डाला, यमुना प्राधिकरण घेरने जा रहे थे

धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में बुधवार को किसान और पुलिस की भिड़ंत हो गई। धक्का-मुक्की के बीच पुलिस प्रदर्शन कर रहे महिलाओं-पुरुषों को टांग कर ले गई। किसान जमीन का सही मुआवजा देने की मांग को लेकर यमुना प्राधिकरण पर धरना देने जा रहे थे। पुलिस ने किसानों को प्राधिकरण से करीब 1 किमी पहले एफएनजी मॉल के सामने रोक लिया। कई किसानों को हिरासत में लिया गया है। इसके बाद पुलिस ने महिलाओं-पुरुषों को घसीटकर वैन में भर दिया। किसान नेता सुखबीर खलीफा और रुपेश वर्मा ने बताया कि हम लोग 10% विकसित प्लाट, 64% अतिरिक्त मुआवजे और आबादी से जुड़े मामलों को निपटाने की मांग कर रहे हैं। किसान एकता

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और किसान संघर्ष मोर्चा के नेता सोरन प्रधान ने बताया- पुलिस कमिश्नर और प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया था कि 5 अक्टूबर तक शासन स्तर पर 10% प्लॉट के मुद्दे पर वार्ता कराई जाएगी।

लेकिन, तय समय बीतने के बाद भी वार्ता नहीं हुई। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। किसान सभा के जिलाध्यक्ष और किसान संघर्ष मोर्चा के नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने बताया कि साल-2023 में 124 दिनों तक चले धरने के बाद तीनों प्राधिकरणों ने 10% विकसित प्लाट का प्रस्ताव शासन की मंजूरी के लिए भेजा था। हालांकि, अब तक शासन से मंजूरी नहीं मिली है। साल-2024 में भी बड़ी संख्या में किसानों ने गिरफ्तारी दी। आंदोलन जारी रखा, लेकिन मांगों का समाधान नहीं हुआ।

प्राधिकरण पहुंचने से पहले ही किसानों को रोका

किसानों का कहना है कि उन्हें अब तक 10% विकसित प्लॉट और 64% अतिरिक्त मुआवजा नहीं मिला है। आबादी से जुड़े कई मामले भी लंबित हैं। इन मांगों को लेकर किसान लंबे समय से प्राधिकरण से समाधान की मांग कर रहे हैं। इसी के विरोध में बुधवार को धरना देने का ऐलान किया गया था। धरने में शामिल होने के लिए किसान जुट रहे थे। वे प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें उठाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। कई किसानों को हिरासत में भी लिया गया। हालांकि, कितने किसानों को हिरासत में लिया गया और उन्हें कहां ले जाया गया, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

किसान नेता बोले- प्राधिकरण सुनवाई नहीं कर रहा

8 अक्टूबर को सेक्टर-144 में पेमे चौहान के आवास पर किसान संघर्ष मोर्चा की बैठक हुई थी। इसमें किसान संगठनों के नेताओं ने फैसला लिया था कि 10% विकसित प्लॉट समेत किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर 21 अक्टूबर से यमुना प्राधिकरण पर अनिश्चितकालीन महापड़ाव शुरू किया जाएगा। किसानों ने तय किया था कि मांगों का ठोस समाधान होने तक महापड़ाव जारी रहेगा। किसान संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ नेता सुखबीर खलीफा ने बताया कि मोर्चा 17 जुलाई से लगातार आंदोलन चला रहा है। इसके बाद 17 अगस्त और 9 से 16 सितंबर तक भी आंदोलन किया गया। इस दौरान किसानों ने गिरफ्तारियां दीं। तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ कई दौर की वार्ता भी हुई।

ब्रजभूमि, गौसेवा और संत सेवा को समर्पित रहा रमेश बाबा का संपूर्ण जीवन

बलदेव में शोकसभा आयोजित कर पद्मश्री रमेश बाबा महाराज को दी श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ब्रज के विरक्त संत पद्मश्री रमेश बाबा महाराज के निधन पर यमुना धाम कॉलोनी स्थित गर्गाचार्य निवास पर शोकसभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके जीवन को ब्रजभूमि, गौसेवा, संत सेवा और आध्यात्मिक साधना के लिए समर्पित बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने कहा कि रमेश बाबा महाराज ने अपने तप, त्याग और सेवाभाव से लाखों श्रद्धालुओं के हृदय में विशेष स्थान बनाया। ब्रज की संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और गौ संरक्षण के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। संतों का जीवन समाज को धर्म, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाता है। उनका निधन आध्यात्मिक जगत के लिए बड़ी क्षति है। युवा ब्राह्मण नेता

माधव तेहरिया ने बाबा महाराज के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए उनके निधन को आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति बताया। अजय सिकरवार, सुजीत वर्मा और देव अग्रवाल ने कहा कि रमेश बाबा महाराज ने ब्रजभूमि की धार्मिक पहचान, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये रहे उपस्थितः शोकसभा में माधव तेहरिया, अजय सिकरवार, सुजीत वर्मा, देव अग्रवाल, रवीश गर्गाचार्य, रवेंद्र सिंह, सतेंद्र पहलवान, शिवा गर्गाचार्य, अंकित तेहरिया, चंद्रपाल देशवार, मन्नू पुजारी, पंकज गर्गाचार्य और मोहित गर्गाचार्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

भागवत कथा जीवन को सही दिशा देती है : बालयोगी

मथुरा। कंजौली घाट स्थित गोपाल फार्म हाउस पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा में राष्ट्रीय संत काष्णि बालयोगी ब्रह्मानंद जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा मनुष्य को सद्कर्म, भक्ति और संस्कारों की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा के बाद नंदोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मेवा, मिष्ठान और फल लुटाए गए। आयोजन सुग्रीव छौंकर, रामगोपाल और सुरेश द्वारा कराया जा रहा है।

सुल्तानपुर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 21 अक्टूबर को पुलिस लाइन स्थित शहीद स्तम्भ पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर विनीत जायसवाल ने शहीद स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को नमन किया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के एसपी बृजेश कुमार मिश्र, सीओ नगर राघवेन्द्र सिंह, सीओ लम्भुआ ऋतिक कपूर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने हरवारा पोलिंग पर सवाल उठाए

प्रयागराज। प्रयागराज मे इलाहाबाद-झांसी स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने भाजपा और प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में मतदाताओं को परेशान करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी की मां को दी श्रद्धांजलि

शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर व्यक्त कीं संवेदनाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद बस्ती में पूर्व सांसद श्री हरीश द्विवेदी जी के आवास पर पहुंचकर उनकी पूज्य माताजी स्वर्गीय यशोदा देवी जी के स्मृति-चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा इस कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी सहित अन्य गणमान्यजन एवं जनप्रतिनिधिगण भी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्यजनों से भी भेंट की।

सीएम ने पुलिस स्मृति दिवस पर 'एक्स' पर साझा की प्रदेश में आए बदलाव की नई तस्वीर

नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने देश की सुरक्षा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले पुलिस कार्मिकों को किया नमन
- गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 88,973 अपराधियों पर की गई कार्रवाई: मुख्यमंत्री
- ₹15 हजार करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति की जब्ती अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण: सीएम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देश और प्रदेश की सुरक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के साहस, शौर्य और समर्पण को याद करते हुए कहा कि कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवान हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नए उत्तर प्रदेश में आए बदलावों का जिक्र करते हुए कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई भी नहीं है।

इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए पिछली सरकार पर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर अपने संदेश में उन सभी वीर पुलिसकर्मियों को नमन किया, जिन्होंने देश की सुरक्षा, समाज में शांति बनाए रखने और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों का शौर्य, साहस और समर्पण सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस-कर्मियों के योगदान को याद करते हुए उनके बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। समाज में शांति बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति और बदलावों को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने एक्स पर साझा संदेश में कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई भी नहीं है। उनके इस बयान को प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के सरकार के दावे से जोड़कर देखा जा रहा है।

पुलिस को मिली कार्रवाई की स्वतंत्रता

मुख्यमंत्री ने साफ किया कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव प्रदेश बना है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की स्वतंत्रता मिली है। 2.26 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों, प्रशिक्षण क्षमता में 10 गुना वृद्धि, 7 बड़े शहरों में कमिश्नरेट प्रणाली, प्रत्येक जनपद में साइबर थाने तथा प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना से पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और जवाबदेह बनी है। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 88,973 अपराधियों पर कार्रवाई और ₹15 हजार करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति की जब्ती अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सुरक्षित, न्यायपूर्ण और भयमुक्त उप्र के लिए करते रहेंगे कार्य

मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि हमारा संकल्प है कि वीर पुलिस कार्मिकों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग को सदैव स्मरण रखते हुए हम उत्तर प्रदेश को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और भयमुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

गौशालाओं में अव्यवस्थाओं पर नाराज हुए गौ सेवा आयोग के सदस्य

पीलुआ सादिकपुर गौशाला में गंदगी मिलने पर जताई नाराजगी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। गौवंश संरक्षण और संवर्धन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने पीलुआ सादिकपुर और बरारी स्थित गौशालाओं का निरीक्षण किया। पीलुआ सादिकपुर गौशाला में गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंश के लिए चारा, पानी, हरा चारा और चोकर की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में संरक्षित गोवंश की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

पशुओं को समय पर पर्याप्त पौष्टिक आहार और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। गौ सेवा आयोग के सदस्य ने पशु चिकित्सकों और गौशाला कर्मचारियों को बीमार एवं कमजोर गोवंश के उपचार और देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं का संचालन केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वहां संरक्षित प्रत्येक गोवंश को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशालाओं में चारा-पानी, स्वच्छता और पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाए। निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए, ताकि गोवंश को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

23 अक्टूबर को होगा मतदान, 27 अक्टूबर को मतगणना, मतदाता पहचान पत्र नहीं होने पर 10 वैकल्पिक दस्तावेज मान्य

विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण पूरा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगरा खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर बुधवार को बीएसए इंजीनि-यरिंग कॉलेज के सभागार में मतदान कार्मिकों, माइक्रो ऑब्जर्वरों, सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों तथा नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की उपस्थिति में आयोजित प्रशिक्षण में अधिकारियों और कर्मचारियों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और नियमों का गंभीरता से

अध्ययन कर लें। प्रशिक्षण के दौरान अपनी शंकाओं और समस्याओं का समाधान अवश्य कराएं, ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो। समस्या आने पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी से संपर्क करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के 19 मतदेय स्थल और 15 मतदान केंद्र हैं। इसी प्रकार खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के भी 19 मतदेय स्थल और 15 मतदान केंद्र निर्धारित हैं। मतदान व्यवस्था के लिए सात जोनल मजिस्ट्रेट, 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 41 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। वहीं, रिजर्व सहित 42 मतदान दलों के लगभग 168 मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

स्नातक के 10,669 और शिक्षक के 6,694 मतदाता

अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 10,669 मतदाता हैं। इनमें 7,175 पुरुष और 3,494 महिला मतदाता शामिल हैं। वहीं, खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 6,694 मतदाता हैं, जिनमें 4,315 पुरुष और 2,379 महिला मतदाता हैं।

पहचान पत्र नहीं तो इन दस्तावेजों से कर सकेंगे पहचान

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, मतदान के समय मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। पहचान पत्र उपलब्ध नहीं होने पर निर्धारित वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर पहचान स्थापित की जा सकती है।

इनमें आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, सरकारी या सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जारी सेवा पहचान पत्र, सांसदों-विधायकों एवं पार्षदों को जारी सरकारी पहचान पत्र, संबंधित शैक्षिक संस्थान का सेवा पहचान पत्र, विश्वविद्यालय की डिग्री या डिप्लोमा का मूल प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र तथा यूडीआईडी कार्ड शामिल हैं।

नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आयोजन : यूपीएसटीडीसी ने तैयार किया 'देव दीपावली-दिव्य काशी अनुभव' टूर पैकेज

दीपों की आभा से जगमगाएगी वाराणसी, पर्यटकों को मिलेगा 'दिव्य काशी अनुभव'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने देव दीपावली के आयोजन को नई पहचान दी है। वाराणसी के गंगा घाटों पर देव दीपावली-2026 की अलौकिक आभा को करीब से अनुभव करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग ने खास टूर पैकेज तैयार किया है। देव दीपावली पर काशी की आध्यात्मिक आभा, दीपों से सजे गंगा घाटों और समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का अविस्मरणीय अनुभव कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने चार दिन-तीन रात का विशेष 'देव दीपावली- दिव्य काशी अनुभव' टूर पैकेज तैयार किया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस अनूठी पहल के माध्यम से देश-दुनिया से आने वाले पर्यटक काशी की प्राचीन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और देव दीपावली की भव्यता को एक ही यात्रा में अनुभव कर सकेंगे। देव दीपावली के दौरान काशी के घाटों पर होने वाला 'दीपोत्सव' अद्वितीय आकर्षण होता है। गंगा तट पर असंख्य दीपों की आभा, गंगा आरती, मंदिरों की भव्य सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती हैं। इस दिव्य अनुभव को पर्यटन पैकेज के रूप में पर्यटकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यूपीएसटीडीसी ने 'बजट', 'डीलक्स' और 'प्रीमियम', तीन श्रेणियों में विशेष टूर पैकेज तैयार किए हैं। तीसरे दिन पर्यटकों के लिए यात्रा का सबसे खास पड़ाव देव दीपावली उत्सव होगा। काशी के जगमगाते घाटों पर दीपों की अनुपम छटा, भव्य सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच पर्यटकों को देव दीपावली की दिव्यता का साक्षी बनने का अवसर मिलेगा। इस दौरान विशेष 'देव दीपावली गंगा बोट एक्सपी-रियंस' पर्यटकों के अनुभव को और यादगार बनाएगा। गंगा की लहरों के बीच नौका विहार करते हुए दीपों की आभा से जगमगाते घाटों का मनोहारी दृश्य काशी की आध्यात्मिकता को अविस्मरणीय बनाएगा। यूपीएसटीडीसी ने पर्यटकों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए पैकेज को 'बजट' (स्टैंडर्ड होटल), 'डीलक्स' (3 स्टार होटल) और 'प्रीमियम' (4/5 स्टार होटल) तीन श्रेणियों में रखा है। बजट पैकेज का शुल्क 15,999 रुपये प्रति व्यक्ति, डीलक्स पैकेज 21,999 रुपये प्रति व्यक्ति और प्रीमियम पैकेज 31,999 रुपये प्रति व्यक्ति होगा।

गंगा आरती से शुरू होगी आध्यात्मिक यात्रा

पैकेज के तहत पर्यटकों को देव दीपावली गंगा बोट राइड, काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन, गंगा आरती, सारनाथ भ्रमण, हेरिटेज वॉक तथा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अनुभव का अवसर मिलेगा। यात्रा के पहले दिन पर्यटकों के वाराणसी आगमन पर एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन पर उनके स्वागत से शुरुआत होगी। तत्पश्चात, होटल चेक-इन और काशी विश्वनाथ धाम में संध्या दर्शन के साथ गंगा आरती का अनुभव पर्यटकों को मिलेगा। यात्रा के दूसरे दिन सुबह गंगा बोट राइड के साथ काशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इनमें काशी विश्वनाथ मंदिर, विशालाक्षी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, काल भैरव मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल शामिल हैं। इसके बाद सारनाथ का भ्रमण और शाम को काशी की आध्यात्मिक आभा का अनुभव कराया जाएगा।

- काशी विश्वनाथ मंदिर, विशालाक्षी, अन्नपूर्णा और काल भैरव मंदिर के होंगे दर्शन, बौद्ध भूमि सारनाथ के भ्रमण का भी अवसर
- गंगा आरती के साथ मिलेगा 'देव दीपावली गंगा बोट एक्सपीरियंस', काशी दर्शन होगा मुख्य आकर्षण
- देव दीपावली में आगंतुकों को मिलेगा 'दिव्य काशी' का अनुभव, योगी सरकार ने आयोजन को दिया वैश्विक स्वरूप: जयवीर सिंह

बलदेव, पहले मानवता, फिर परंपरा : एंबुलेंस के लिए सीएम योगी ने रुकवाई विजयादशमी शोभायात्रा

विजयादशमी शोभायात्रा के दौरान सायरन सुनते ही ठहरे सीएम योगी

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। विजयादशमी के पावन पर्व पर नाथपंथ के विश्व प्रसिद्ध केंद्र गोरक्षपीठ से निकली पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय ने मानवता की सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया है। उनके निर्णय ने यह संदेश भी दिया कि किसी भी परंपरा से पहले किसी की जिंदगी बचाना सबसे जरूरी है। विजयादशमी शोभायात्रा के दौरान गोरखनाथ मंदिर के मुख्य द्वार से आगे श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और सख्त सुरक्षा घेरे के बीच जैसे ही एक एंबुलेंस का सायरन सुनाई दिया, मुख्यमंत्री ने परंपरा और प्रोटोकॉल से ऊपर मानवीय जीवन को प्राथमिकता देते हुए शोभायात्रा को तुरंत रुकवा दिया। उनके निर्देश पर एंबुलेंस को रास्ता दिया गया और

उसके बाद शोभायात्रा आगे बढ़ी। मंगलवार शाम गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पारंपरिक विजयदशमी शोभायात्रा आगे बढ़ रही थी। मंदिर के मुख्य द्वार के आगे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी थी। इसी दौरान एक गंभीर मरीज को ले जा रही एंबुलेंस वहां पहुंच गई और भीड़ के कारण फंसने लगी। जैसे ही सीएम योगी के वाहन तक सायरन की आवाज पहुंची, उन्होंने तत्काल अपने सुरक्षाकर्मियों को एंबुलेंस के लिए रास्ता बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री का संकेत मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाई और शोभायात्रा की गति को वहीं थाम दिया। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और नागरिकों ने भी सीएम की इस पहल को समझते हुए तुरंत सहयोग किया और रास्ता खाली कर दिया। भारी भीड़ और तंग व्यवस्था के बावजूद एंबुलेंस बिना किसी रुकावट के सुरक्षित निकल गई। एंबुलेंस के आगे बढ़ जाने के बाद ही शोभायात्रा अपने तय मार्ग पर पुनः आगे बढ़ी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट यूजर्स और आम जनता मुख्यमंत्री की इस मानवीय पहल की जमकर सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन और भारी भीड़ के बीच वीआईपी प्रोटोकॉल को दरकिनार कर एक आम मरीज की जान को प्राथमिकता देना सच्चे नेतृत्व और संवेदनशीलता की पहचान है।

अब 7 दिन करेंगे प्रवास, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ विरजा मंडप में विराजे महाप्रभु

वृंदावन पहुंचे भगवान जगन्नाथ

उत्सव

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में इन दिनों भगवान जगन्नाथ की भक्ति का अनूठा उत्सव चल रहा है। भगवान श्रीकृष्ण की लीला भूमि ब्रज और भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी की धार्मिक परंपराओं का संगम देखने को मिल रहा है। विश्व भ्रमण पर निकले भगवान जगन्नाथ नेपाल और श्रीलंका की यात्रा के बाद अपनी बहन सुभद्रा, भाई बलभद्र और चक्रराज सुदर्शन के साथ वृंदावन पहुंचे हैं। वनभोजी, कालियादलन, कृष्ण-बलराम, रघुनाथ और पद्म वेश भगवान की विभिन्न लीलाओं का स्मरण कराते हैं। वृंदावन में भगवान के इन स्वरूपों के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बने हुए हैं। दीनबंधु दास महाराज के अनुसार, यहां ओडिशा की पारंपरिक सेवा-पद्धति और पूजन विधान के अनुरूप भगवान की पूजा-अर्चना की जा रही है। इससे ब्रज में पुरी की धार्मिक परंपराओं का अनुभव मिल रहा है। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा और उनके विविध वेशों की परंपरा सदियों से श्रद्धा का केंद्र रही है। वहीं, वृंदावन श्रीराधा-कृष्ण की लीलाओं, भजन और संकीर्तन के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में कुंभ क्षेत्र में भगवान जगन्नाथ का प्रवास दोनों धार्मिक परंपराओं को एक साथ अनुभव करने का अवसर दे रहा है।

भगवान जगन्नाथ के भव्य डोले के साथ करीब 500 भक्तों का दल इस धर्म यात्रा में शामिल है।

कुंभ क्षेत्र के विरजा मंडप में हो रहे दर्शन

यमुना किनारे स्थित वृंदावन के कुंभ क्षेत्र में विरजा मंडप श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से भक्त पहुंच रहे हैं। हरियाली से घिरे क्षेत्र में भजन-कीर्तन, कथा और भगवान की दिव्य झांकियां भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति करा रही हैं।भगवान जगन्नाथ के भव्य डोले के साथ करीब 500 भक्तों का दल इस धार्मिक यात्रा में शामिल है। यात्रा का उद्देश्य भगवान की महिमा का प्रचार-प्रसार करने के साथ विश्व में शांति, सद्भाव और मैत्री का संदेश देना है।

स्कंद पुराण में वर्णित भगवान जगन्नाथ की महिमा का गुणगान कथा के माध्यम से किया जा रहा है।

स्कंद पुराण में वर्णित महिमा का हो रहा गुणगान

संत सत्यानंद महाराज ने बताया कि विरजा मंडप में स्कंद पुराण में वर्णित भगवान जगन्नाथ की महिमा पर कथा हो रही है।

संत सत्यानंद महाराज, दीनबंधु महाराज, परमानंद महाराज और बाबा दयानिधि दास श्रद्धालुओं को महाप्रभु की लीलाओं और उनकी महिमा से परिचित करा रहे हैं।

यहां सुबह 6 से साढ़े 8 बजे तक और शाम 6 से रात 9 बजे तक कथा, दर्शन और भक्ति का क्रम चल रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु समेत देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचकर आयोजन में शामिल हो रहे हैं। दीनबंधु दास महाराज ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की सेवा परंपरा में उनके विभिन्न दिव्य वेशों के दर्शन का विशेष महत्व है।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को महिला सुरक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

साइबर सुरक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग की दी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन, मथुरा। मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत बुधवार को थाना वृंदावन की मिशन शक्ति पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, यातायात नियमों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीम ने बताया कि बसों, रास्तों और सार्वजनिक स्थलों पर छेड़छाड़ की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें और शिकायत दर्ज कराएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने की भी अपील की गई। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के बारे में भी बताया। इसके तहत यूपीएससी, यूपीपीएससी, नीट, जेईई, एनडीए और सीडीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण और विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। छात्राओं को बताया गया कि योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद अभ्यर्थियों को निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराकर आर्थिक अभाव को उनकी सफलता में बाधा बनने से रोकना है।

फास्ट न्यूज

सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे दो युवक बेहोश

किरावली। आगरा के किरावली स्थित जगन विहार कॉलोनी में बुधवार को सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दो युवक बेहोश हो गए। दोनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) किरावली में प्राथमिक उपचार देने के बाद एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर कर दिया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

विजयदशमी पर अस्पतालों में डॉक्टर गायब रहे

आगरा। विजयदशमी पर आगरा के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी नजर आईं। जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल में डॉक्टरों के समय पर नहीं मिलने से मरीजों को इलाज के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। वार्डों में भर्ती मरीज दर्द से परेशान रहे, लेकिन उन्हें देखने के लिए चिकित्सक समय पर नहीं पहुंचे। दूर-दराज से इलाज कराने आए मरीज और उनके तीमारदार डॉक्टरों की तलाश में एक कमरे से दूसरे कमरे तक भटकते रहे।

कोहरे से पहले सड़क सुरक्षा की तैयारी

अलीगढ़। अलीगढ़ में सितंबर में 105 सड़क हादसों में 48 लोगों की मौत के बाद अब सर्दियों में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। घना कोहरा छाने से पहले जिले की 10 प्रमुख सड़कों पर सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे।

इसके लिए शासन ने 2.49 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इसमें 40 फीसदी बजट आवंटित हो चुका है। योजना के तहत अवैध कट बंद किए जाएंगे।

गोवर्धन में 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन

जय श्रीराम से गूंजा रामलीला मैदान

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन, मथुरा। विजयादशमी पर गोवर्धन के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में भव्य रामलीला मंचन और रावण दहन का आयोजन किया गया।

भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध की लीला का मंचन होते ही मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में भगवान श्रीराम द्वारा रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण वध की लीला का सजीव मंचन किया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम के स्वरूप ने 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले पर अग्निबाण चलाकर उसका दहन किया। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

रामलीला कमेटी की ओर से तैयार किए गए पुतले आकर्षण का केंद्र रहे। इन्हें बांस, अखबार और कागज से तैयार किया गया था। कमेटी के पदाधिकारियों के अनुसार, ऐतिहासिक रामलीला देखने के लिए गोवर्धन के अलावा राधाकुंड, बरसाना, मथुरा और डीग-भरतपुर से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए गोवर्धन पुलिस तैनात रही।

16वीं बटालियन के कैंप में श्रद्धांजलि सभा आयोजित, वीर जवानों के बलिदान को किया याद

पुलिस स्मृति दिवस पर सीआरपीएफ ने शहीद जवानों को किया नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को मथुरा के रांची बागर स्थित 16वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआर-पीएफ) के वाहिनी मुख्यालय में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में अधिकारियों और जवानों ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सपूतों को याद किया। इस दौरान शहीदों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को नमन करते हुए उनके बलिदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। पुलिस स्मृति दिवस के कार्यक्रम में कमांडेंट नितिन कुमार ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवान कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

सीआरपीएफ अधिकारियों और जवानों की रही मौजूदगी

पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 16वीं बटालियन सीआरपीएफ के कई वरिष्ठ अधिकारी और जवान मौजूद रहे। इनमें द्वितीय कमान अधिकारी जय प्रकाश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार धाकड़ और उप कमांडेंट विनेश कुमार त्यागी सहित अन्य राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और वाहिनी के जवान शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से शहीद जवानों के बलिदान को याद करते हुए देशसेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

21 अक्टूबर को क्यों मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस?

कार्यक्रम के दौरान कमांडेंट नितिन कुमार ने पुलिस स्मृति दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले का सामना करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 10 जवानों ने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उन जवानों की वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश की सुरक्षा में तैनात उन सभी पुलिसकर्मियों और जवानों को याद करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवाई।

विधान परिषद निर्वाचन को लेकर डीएम और एसएसपी ने की बैठक

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद निर्वाचन-2026 की तैयारियों को लेकर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन मथुरा में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न कराने पर जोर दिया गया। दोनों अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फेसबुक आइडी से चाइल्ड पोर्नोग्राफी पोस्ट की

एमएचए की साइबर पेट्रोलिंग में पकड़ी गई, महिला बोली- मोबाइल हैक हुआ था

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में सोशल मीडिया पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री पोस्ट किए जाने का मामला सामने आया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) की साइबर पेट्रोलिंग के दौरान एक फेसबुक अकाउंट से चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित वीडियो पोस्ट किए जाने की सूचना मिली। गृह मंत्रालय के साइबर सेल पोर्टल से मिली टिपलाइन रिपोर्ट के आधार पर अलीगढ़ पुलिस ने जांच की। इसके बाद तुर्कमान गेट निवासी एक महिला के खिलाफ कोतवाली नगर में FIR दर्ज की गई है।

महिला का दावा है कि मोबाइल में APK फाइल डाउनलोड करने के बाद उसका फोन हैक हो गया था। पुलिस अब इस दावे की जांच कर रही है कि फेसबुक अकाउंट से आपत्तिजनक सामग्री कैसे पोस्ट हुई और इसके पीछे किसकी भूमिका थी। हालांकि, इस मामले में निगरानी के लिए इस्तेमाल किए गए विशिष्ट तकनीकी तरीकों की जानकारी उपलब्ध नहीं है। साइबर टिपलाइन इंटरनेट पर संभावित गैरकानूनी गतिविधियों या आपत्तिजनक सामग्री की सूचना संबंधित एजेंसी तक पहुंचाने का माध्यम है। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस उपलब्ध तथ्यों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच करती है। केवल टिपलाइन रिपोर्ट या किसी अकाउंट से जुड़ाव के आधार पर किसी व्यक्ति का अपराध साबित नहीं माना जा सकता। बच्चों के यौन शोषण से संबंधित तस्वीरों और वीडियो का निर्माण, प्रसार या साझा करना गंभीर कानूनी मामला है। ऐसे मामलों में सामग्री की पहचान, साक्ष्यों का संरक्षण और जिम्मेदार व्यक्ति की भूमिका का पता लगाना महत्वपूर्ण होता है। CO प्रथम कमलेश कुमार ने बताया कि गृह मंत्रालय के साइबर सेल पोर्टल से मिली टिपलाइन के आधार पर महिला के फेसबुक अकाउंट से जुड़े मामले में FIR दर्ज की गई है।

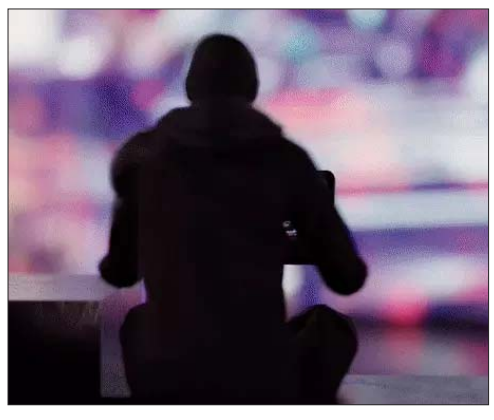

महिला बोली- एपीके फाइल डाउनलोड की, फिर हैक हुआ मोबाइल

पुलिस के मुताबिक, महिला ने पूछताछ में बताया कि उसके मोबाइल पर एक APK फाइल आई थी, जिसे उसने डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उसका मोबाइल हैक हो गया। महिला को आशंका है कि इसी दौरान उसकी फेसबुक ID से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की गई होगी। महिला के इस दावे की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच करेगी कि मोबाइल में कोई संदिग्ध एप्लिकेशन इंस्टॉल हुआ था या नहीं, डिवाइस पर अनधिकृत नियंत्रण किया गया था या नहीं और फेसबुक अकाउंट से सामग्री पोस्ट करने में किसकी भूमिका रही। साइबर पेट्रोलिंग के तहत इंटरनेट पर संदिग्ध गतिविधियों और संभावित गैरकानूनी सामग्री की पहचान की जाती है। इस दौरान मिली सूचना को संबंधित एजेंसियों तक पहुंचाया जा सकता है। इस मामले में गृह मंत्रालय के साइबर सेल पोर्टल पर मिली टिपलाइन रिपोर्ट के आधार पर अलीगढ़ पुलिस ने जांच शुरू की और FIR दर्ज की।

आईपी एड्रेस से मोबाइल नंबर और फेसबुक अकाउंट तक पहुंची पुलिस

पुलिस की जांच आख्या के मुताबिक, साइबर टिपलाइन रिपोर्ट संख्या 236425786 में IP एड्रेस से जुड़े मोबाइल नंबर की जानकारी मिली थी। इसके आधार पर उपनिरीक्षक ने मोबाइल नंबर के इस्तेमाल और संबंधित फेसबुक अकाउंट की पड़ताल की। जांच में तुर्कमान गेट निवासी महिला का नाम सामने आया। आरोप है कि महिला के फेसबुक अकाउंट के जरिए चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित सामग्री अपलोड की गई या भेजी गई। हालांकि, किसी अकाउंट या मोबाइल नंबर का किसी व्यक्ति से जुड़ा होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि सामग्री उसी व्यक्ति ने पोस्ट की थी। पुलिस अब डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर इसकी जांच करेगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

'यूपी पुलिसकर्मियों ...

तीर्थपाल सिंह पानी का दबाव और सप्लाई बनाए हुए थे। काफी मशक्कत के बाद जब टीम आग को काबू में करने के बेहद करीब थी, तभी अत्यधिक तापमान और भीषण गर्मी से कंपनी की पक्की दीवार और भारी लोहे का गार्डर कमजोर होकर भरभराकर नीचे आ गिरा। अचानक दीवार और लोहे का बीम गिरते ही तीर्थपाल सिंह, रोहित यादव समेत 5 जवान मलबे में दब गए। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई और धुएं का गुबार छा गया। साथी जवानों और पुलिस बल ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद सभी दबे हुए कर्मियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों की कोशिश के बावजूद फायरमैन रोहित यादव और ड्राइवर तीर्थपाल सिंह को बचाया नहीं जा सका। इस ऑपरेशन का सबसे भावुक पहलू यह था कि कंपनी में काम करने वाले 450 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रोहित यादव सिर्फ 32 साल के थे। वह अपने पीछे पत्नी और 2 छोटी बेटियां छोड़ गए हैं। वहीं, तीर्थपाल सिंह 48 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बेटी हैं। जालौन के प्रॉपर्टी कारोबारी विजेंद्र मोर को अपहरण हो गया। आशंका जताई गई कि उनकी करोड़ों की जमीन हड़पने के लिए अपहरण और हत्या की साजिश रची गई। पुलिस को टिप मिली कि उन्हें हरियाणा ले जाया गया है। इस टीम में 4 पुलिसकर्मी और 1 शिकायतकर्ता शामिल थे। इनमें सब-इंस्पेक्टर मोहित कुमार यादव, सब-इंस्पेक्टर सत्यभान सिंह, कॉन्स्टेबल अशोक कुमार, कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार और विजेंद्र का रिश्तेदार अमरीक सिंह शामिल था। ये सभी स्कॉर्पियो से व्यापारी की तलाश में दबिश देने हरियाणा के जींद की ओर जा रहे थे। नूंह के पास केएमपी एक्सप्रेस-वे पर स्कॉर्पियो बेकाबू होकर दूसरी गाड़ी से टकरा गई। हादसे में सब इंस्पेक्टर सत्यभान, मोहित यादव, सिपाही प्रदीप और अशोक समेत कुल 5 लोगों की मौत हो गई। बाद में जांच में पता चला कि श्रीभगवान, संजीव उर्फ कोकिला, मोहित मलिक और अमरजीत सुहाग ने विजेंद्र को जबरन क्रेटा कार में बैठाकर किडनैप किया था। फिर उसकी हत्या कर लाश हमीरपुर के जलालपुर थाना क्षेत्र स्थित कूपरा जंगल में ले गए। वहां करीब 40 लीटर डीजल डालकर लाश जला दी, जिससे पहचान और सबूत पूरी तरह नष्ट हो जाएं। 29 जुलाई को कदौरा के चितैला फार्म हाउस से पुलिस ने मोहित मलिक और उसकी पत्नी सपना रानी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मोहित ने कारोबारी की हत्या करना स्वीकार कर लिया। साथ ही यह भी बताया कि लाश को ठिकाने कहां लगाया? पुलिस ने मोहित और सपना की निशानदेही पर कूपरा जंगल से कंकाल बरामद किया।

सेंगोल बनाने वाले ...

1947 में तमिलनाडु के तिरुवावदुथुरै अधीनम मठ ने चेन्नई के वुम्मिडी बंगारू चेट्टी ज्वेलर्स को सेंगोल बनाने का काम सौंपा था। तत्कालीन मठ प्रमुख ने राजदंड का डिजाइन और उसमें इस्तेमाल होने वाले धार्मिक प्रतीकों की जानकारी दी थी। इस काम में वुम्मिडी एथिराज और वुम्मिडी सुधाकर की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उस समय एथिराज की उम्र करीब 22 साल थी। सरकारी विवरण के मुताबिक, लगभग 10 कारीगरों ने 10 से 15 दिनों में सेंगोल तैयार किया था। यह करीब 5 फीट लंबा था और सोने की परत चढ़ी चांदी से बनाया गया था। सरकार के 2023 के विवरण के अनुसार, आजादी के समय सी. राजगोपालाचारी की पहल पर तमिल मठ से सेंगोल तैयार करवाया गया था। मठ के प्रतिनिधि इसे लेकर दिल्ली पहुंचे। इस समारोह का उल्लेख 25 अगस्त 1947 की टाइम्स पत्रिका और फ्रीडम एट मिडनाइट बुक में भी मिलता है। हालांकि, माउंटबेटन द्वारा सेंगोल सौंपने और वापस लेने की कहानी तथा इसे सत्ता हस्तांतरण का आधिकारिक प्रतीक बनाने के दावे का पुख्ता सबूत नहीं है। आजादी के बाद सेंगोल प्रयागराज के इलाहाबाद म्यूजियम की नेहरू गैलरी में रखा गया था। वहां इसकी पहचान नेहरू को उपहार में मिली सुनहरी छड़ी के रूप में दर्ज थी। 2018 में एक तमिल पत्रिका में सेंगोल के बारे में लेख प्रकाशित हुआ। इसे पढ़कर वुम्मिडी परिवार की नई पीढ़ी को पता चला कि उनके पूर्वजों ने इस ऐतिहासिक राजदंड को बनाया था। मतलब 71 साल तक परिवार भी सेंगोल के बारे में अनजान रहा। फिर परिवार ने खोज शुरू की। 2019 के आसपास उन्हें पता चला कि इससे मिलता-जुलता राजदंड इलाहाबाद म्यूजियम में है। परिवार के प्रतिनिधि अरुण कुमार ने म्यूजियम जाकर इसकी जांच की। राजदंड पर तमिल अक्षर और नंदी की आकृति देखकर परिवार ने इसकी पहचान की पुष्टि की। एथिराज को भी नंदी का डिजाइन देखकर इसकी कारीगरी से जुड़ी कुछ पुरानी बातें याद आईं। उनके बेटे के मुताबिक, नंदी का सही आकार तय करने के लिए कारीगरों को कुंभकोणम तक जाना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मई 2023 को नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया। केंद्र सरकार ने इसे भारत की स्वतंत्रता, न्यायपूर्ण शासन और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। इस दौरान सेंगोल बनाने वाले वुम्मिडी परिवार के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। एथिराज भी 2023 के समारोह में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात कर उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया था।

टाइगर पर फायरिंग ...

इनमें बिहार का ऋतिक, हरियाणा के रेहान और फूल सिंह शामिल थे। इन्हें मुंबई लाया गया, जहां कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 31 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। रेहान की मां शमशीदा ने बातचीत में कहा कि इस केस का मास्टरमाइंड हरियाणा में छिपा है। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में आगे जानकारी नहीं दी।

महिला आरक्षण लागू ...

इस मुद्दे पर खड़गे ने प्रधानमंत्री को 11 अप्रैल, 16 जुलाई, 27 अगस्त और 16 अक्टूबर 2026 को पत्र लिखे थे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 19 अक्टूबर को खड़गे के पत्र का जवाब देते हुए कहा था कि सरकार ने प्रस्ताव पर चर्चा के लिए विपक्ष से कई बार संपर्क किया। उन्होंने बताया कि 16 मार्च, 26 मार्च और 12 अप्रैल को खड़गे को पत्र लिखकर कांग्रेस का समर्थन मांगा गया था। रिजिजू ने यह भी कहा कि उन्होंने खड़गे से व्यक्तिगत चर्चा की थी और मानसून सत्र में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने PM-DAKSH योजना के क्रियान्वयन में कमियों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने X पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए आरोप लगाया कि योजना दो साल तक ठीक से लागू नहीं हुई और इसके लिए तय बजट का भी इस्तेमाल नहीं किया गया। PM-DAKSH योजना 2020-21 में अनुसूचित जाति, OBC, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विमुक्त और घुमंतू जनजातियों तथा सफाई कर्मचारियों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए शुरू की गई थी, ताकि वे रोजगार पा सकें या अपना काम शुरू कर सकें। रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार का ध्यान योजनाओं को जमीन पर उतारने के बजाय विज्ञापनों और सुर्खियों पर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार की 'एक्सपायरी डेट' नजदीक है और अब 'झोला उठाने का वक्त आ गया है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या 2024 में भाजपा के 240 सीटों पर सिमटने के बाद सरकार वंचित वर्गों से बदला ले रही है।

डेढ़ साल की बच्ची ...

बोर्ड ने उसकी काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए और उसे माता-पिता की देखरेख में छोड़ दिया। FIR के मुताबिक, घटना गोरेगांव ईस्ट की शिवशाही बिल्डिंग में रात करीब 9 से 9:30 बजे के बीच हुई थी। मां के मुताबिक, उनकी 18 महीने की बेटी छठी मंजिल पर घर के बाहर कॉमन कॉरिडोर में एक बिल्ली के साथ खेल रही थी। कुछ देर बाद बच्ची दिखाई नहीं दी, तो मां ने उसके 12 साल के भाई को तलाशने भेजा। भाई को वह नहीं मिली।

वनडे वर्ल्डकप के लिए फिटनेस-फॉर्म सबसे अहम, गिल को सीनियर्स से मदद मिलेगी

रोहित और विराट का चयन उम्र देखकर नहीं : मिथुन मन्हास

बयान

- वर्ल्ड कप के समय कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र
- लॉर्ड्स में शतक से लौटा रोहित का फॉर्म
- गिल की कप्तानी में सीनियर्स की भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

BCCI प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। मन्हास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले स्पोर्टस्टार को इंटरव्यू दिया। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते दिखेंगे। रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे। जबकि, विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान 38 साल के होंगे।

पूर्व क्रिकेटर्स और फैंस ने भारत के ट्रांजिशन प्लांस पर सवाल उठाए हैं। यह भी चर्चा है कि आने वाले वर्षों में दोनों सीनियर खिलाड़ियों की क्या भूमिका होगी।

रोहित शर्मा की खराब वनडे फॉर्म के बीच उनके संन्यास की काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, लॉर्ड्स में लगाए गए उनके शतक से ये चिंताएं कुछ हद तक दूर हुईं।

विराट ने वनडे में अपनी भूमिका का अच्छा फायदा उठाया है। इस फॉर्मेट में उन्होंने ब्रैडमैन जैसा औसत रखते हुए लगातार रन बनाए हैं।

मिथुन मन्हास ने यह भी बताया कि रोहित और विराट की मौजूदगी से शुभमन गिल को कप्तानी में मदद मिल सकती है। उन्होंने विराट के एमएस धोनी के मार्गदर्शन में सीखने और धोनी के सौरव गांगुली से मार्गदर्शन लेने का उदाहरण दिया।

विराट कोहली और रोहित शर्मा की यह फोटो 3 अक्टूबर की है। मुल्लांपुर स्टेडियम में खेले गए इस मैच को वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से जीता था।

मनहास ने कहा, 'शुभमन पिछले दो या तीन साल से गुजरात टाइटन्स के कप्तान हैं। वे भारत की कप्तानी भी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वर्ल्ड कप अभियान में यह अनुभव उनके काम आएगा।'

मन्हास ने कहा- दोनों बैटर्स को लगातार रन बनाने होंगे

मिथुन मनहास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है। तो उसका चयन होना चाहिए।' रोहित-विराट वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के टॉप-3 स्कोरर में शामिल हैं।

रणजी ट्रॉफी- जलज सक्सेना के 5 विकेट से केरल जीता

मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाबाद 139 रन

नई दिल्ली, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी में केरल ने ओडिशा को पारी और 36 रन से हराया। केरल ने पहली पारी में 404 रन बनाए थे, जिसके जवाब में ओडिशा की टीम पहली पारी में 225 और दूसरी पारी में 143 रन पर सिमट गई। जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 139 रन की नाबाद पारी खेली।

हैदराबाद के बाएं हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 21 रन देकर 4 विकेट लिए और मैच में कुल 9 लिए।

हैदराबाद ने पहली पारी में बढ़त बनाने के बाद दूसरी पारी में 53 रन की नाबाद पारी खेलने वाले तनय के प्रदर्शन के दम पर अपनी स्थिति मजबूत की। आंध्र प्रदेश ने 6 विकेट पर 88 रन बनाए हैं और उसे अभी 310 रन की जरूरत है।

दिल्ली के खिलाफ गुजरात ने 6 विकेट पर 407 रन बना लिए हैं। टीम अभी भी 241 रन पीछे है। चिंतन गाजा 62 रन बनाकर क्रीज पर हैं, जबकि विशाल जयसवाल उनका साथ दे रहे हैं।

महाराष्ट्र के खिलाफ झारखंड के ओपनर शिखर मोहन ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी है। वह 79 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरे विकेट के लिए उत्कर्ष सिंह के साथ उनकी 115 रन की साझेदारी हो चुकी है। झारखंड ने 1 विकेट पर 144 रन बना लिए हैं और टीम अभी महाराष्ट्र से 214 रन पीछे है।

न्यूजीलैंड से जीत को कभी तरसता था भारत पहली जीत में 10 साल लगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अब लगातार छठी टी-20 सीरीज जीतने का मौका

2007 में भारत ने पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टूर्नामेंट में टीम को सिर्फ एक हार मिली और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ थी। इसके बाद भी भारत को इस टीम के खिलाफ पहली जीत हासिल करने में 10 साल लग गए।

अब तस्वीर बदल चुकी है। भारत 2020 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार पांच द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत चुका है। इनमें तीन सीरीज भारत में और दो न्यूजीलैंड में खेली गईं। अब 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की सीरीज शुरू होगी। भारत-न्यूजीलैंड मुकाबलों में कब किसका पलड़ा भारी रहा आगे 5 पॉइंट में जानते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मुकाबला 2007 में जोहान्सबर्ग में हुआ था। भारत को इसमें 10 रन से हार मिली। 2009 के न्यूजीलैंड दौरे पर भी टीम इंडिया

दोनों मैच गंवा बैठी। 2012 में चेन्नई में जीत करीब आई, लेकिन भारतीय टीम एक रन से चूक गई। 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप में नागपुर में घरेलू मैदान पर खेलते हुए भी भारत 47 रन से हार गया।

पहले 9 साल में भारत-न्यूजीलैंड के बीच सिर्फ 6 टी-20 मैच हुए। लगातार नाकामियों के बाद भारत ने 1 नवंबर 2017 को दिल्ली में पहली बार न्यूजीलैंड को हराया। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने 80-80 रन की पारियां खेलीं, जिससे मेजबान टीम ने 20 ओवर में 202/3 का स्कोर बनाया। जवाब में कीवी टीम 149/8 तक ही पहुंच सकी। भारत ने 53 रन से मुकाबला जीत लिया। भारत की तस्वीर 2020 में बदली। न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने सभी मुकाबले जीते। इनमें दो मैच निर्धारित 20 ओवरों के बाद टाई हुए थे, लेकिन दोनों बार भारत ने सुपर ओवर में जीत दर्ज की। सुपर ओवर वह अतिरिक्त ओवर होता है, जिसमें टाई मैच का फैसला करने के लिए दोनों टीमों को एक-एक ओवर खेलने का मौका मिलता है। इसके बाद 2021 में न्यूजीलैंड भारत दौरे पर आया। भारतीय टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की। 2022-23 में भारत ने न्यूजीलैंड में फिर सीरीज जीती।

ड्रेसिंग रूम में खुश रहें, अभिषेक-सैमसन लगातार रन बना रहे, दोनों ने वर्ल्डकप जिताया

वैभव को अभी प्लेइंग-11 में जगह नहीं : भारतीय कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को क्राइस्टचर्च में कहा- 'वैभव सूर्यवंशी अभी सीधे टीम में आ सकते हैं, ऐसा नहीं है। हमारे ओपनर लगातार रन बना रहे हैं और उन्होंने वर्ल्ड कप जीता है।'

31 साल के अय्यर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से पहले कहा- 'वैभव को आगे मौके मिलेंगे। विदेशों में खेलने का अनुभव उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा।' उन्होंने फोटोशूट के बाद पत्रकारों से बातचीत की।

भारतीय T20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को ड्रेसिंग रूम में खुश रहना चाहिए। वैभव बहुत युवा हैं और उनके पास मौके पाने के लिए कई साल हैं।

इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए चुने जाने के बाद से वैभव ने आठ टी-20 मैच खेले हैं। उन्होंने 2 फिफ्टी के सहारे 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए। इस दौरान रेगुलर ओपनर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं।

> पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।'

वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैच की टी-20 सीरीज में एक भी मौका नहीं मिला। इस दौरान वैभव ने 2 स्टेटस लगाए थे। पिछले महीने हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि खिलाड़ी की उम्र 15 हो या 30 साल, अगर उसे मौके का इंतजार करना है तो इंतजार करना होगा। वैभव सूर्यवंशी ने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में भारत ने 19 रन की जीत हासिल करके गोल्ड मेडल जीता था। वैभव टी-20 क्रिकेट में 4 शतक लगा चुके हैं।

'वैभव का अनुभव भविष्य में काम आएगा'

श्रेयस अय्यर का मानना है कि विदेशी परिस्थितियों में वैभव का अनुभव भविष्य की सीरीज के लिए उनकी तैयारी बेहतर करेगा।

अय्यर ने कहा, 'जब वे विदेशों में खेलेंगे तो उन्हें इन खास पिचों पर बल्लेबाजी करने का अच्छा अंदाजा मिलेगा।'

उन्होंने कहा, 'अगली बार जब वे इन परिस्थितियों में आएंगे तो वे पूरी तरह तैयार होंगे। वे पहली बार यहां आने वाले टीम के दूसरे खिलाड़ियों को भी सलाह दे सकेंगे।'

मनोरंजन

क्लोदिंग स्टोर वर्कर से बनीं ग्लोबल स्टार, बॉयफ्रेंड ने सेक्स टेप रिलीज किया, गन पॉइंट पर बंदी बनाई गईं, 17100 करोड़ है संपत्ति

46 साल की हुई किम कार्दशियन

नई दिल्ली। ग्लोबल मीडिया पर्सनैलिटी किम कार्दशियन आज 46 साल की हो चुकी हैं। आज 17 हजार करोड़ की संपत्ति की मालकिन किम कार्दशियन कुछ सालों पहले तक आम जिंदगी जीती थीं। एक क्लोदिंग स्टोर में नौकरी करती थीं, लेकिन फिर पैरिस हिल्टन जैसे नामी लोगों से दोस्ती ने उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

साल 2007 में एक सेक्स टेप आया, जिसे कथित तौर पर किम ने खुद बेचा था। इस टेप से कई विवाद हुए। कभी कहा गया कि ये टेप उनके बॉयफ्रेंड रे जे. ने नशे में बनाया और बिना उनकी अनुमति बेचा। यह भी कहा गया कि किम ने जानबूझकर इसे सार्वजनिक किया। चाहे ये पब्लिसिटी स्टंट हो या धोखा, किम ने रातोंरात पहचान बना ली और फिर हर वो काम किया, जो लोगों का ध्यान खींच सकता था। कभी उन्होंने खुद पर वीडियो गेम बनाया, कभी परफ्यूम बनाया, तो कभी सौतेली बहनों और परिवार के साथ जिंदगी पर रियलिटी शो बना दिया। समय के साथ किम ने पॉपुलैरिटी हासिल की और आज दुनिया की सबसे रईस सेलिब्रिटीज में शामिल हैं। लग्जरी जिंदगी की शौकीन कार्दशियन ने एक प्राइवेट जेट भी खरीदा है, जिसे वो किम एयर कहती हैं। 1300 करोड़ के इस जेट से एक बार किम महज 1300 रुपए का चीजकेक खाने पेरिस गई थीं। 21 अक्टूबर 1980 को किम कार्दशियन का जन्म लॉस एंजिलिस में मशहूर वकील रॉबर्ट कार्दशियन और बिजनेसमैन क्रिस कार्दशियन के घर हुआ। किम से बड़ी बहन कोर्टनी हैं, जिनके बाद छोटी बहन क्लो और भाई रॉब।

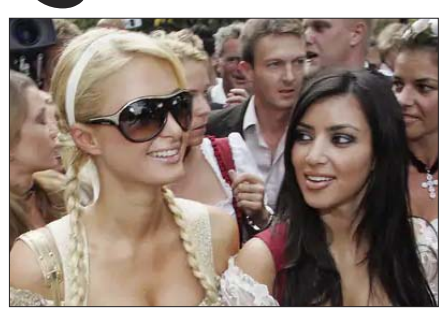

> किम ने लॉस एंजिलिस के मैरीमाउंट हाईस्कूल से पढ़ाई की। टीनएज में किम की दोस्ती पेरिस हिल्टन से हुई। पेरिस हिल्टन, हिल्टन होटल के फाउंडर कोनार्ड हिल्टन की पोती हैं। बढ़ती उम्र के साथ पेरिस हिल्टन, सेलिब्रिटी बन गईं। उनके साथ पार्टी और इवेंट में जाते हुए किम कार्दशियन का परिचय फेम से हुआ।

किम कार्दशियन के बचपन की तस्वीर।

कार एक्सीडेंट के बाद पिता के कहने पर की कपड़ों की दुकान में नौकरी

किम 16 साल की थीं, जब उनका कार एक्सीडेंट हुआ। कार दुर्घटनाग्रस्त हुई, तो पिता ने इस शर्त पर दूसरी कार दिलाई कि उन्हें इसका खर्चा खुद निकालना होगा। पिता की इस शर्त के अनुसार, किम ने महज 16 साल की उम्र में लॉस एंजिलिस की बॉडी नाम की कपड़ों की दुकान में 4 सालों तक काम किया।

'जेलर 2' ने 6 दिनों में कमाए 500 करोड़ रुपए

2026 की तीसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म बनी

नई दिल्ली। रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' ने रिलीज के 6 दिनों में दुनिया भर में 500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है।

नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2026 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसके आगे 'धुरंधर 2' और 'दृश्यम 3' हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने छठे दिन भारत में 45.55 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। इस दिन तमिल वर्जन से 32.10 करोड़, तेलुगु से 8.85 करोड़, हिंदी से 5.25 करोड़ और कन्नड़ वर्जन से 60 लाख रुपए की कमाई हुई।

इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 289.05 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 338.45 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, विदेशों में छठे दिन फिल्म ने 10 करोड़ रुपए कमाए। इससे इसका कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 204 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 542 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

'जेलर 2' और 'दृश्यम 3' के बीच का अंतर अब कम रह गया है। रजनीकांत की यह फिल्म बुधवार को 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में दूसरे नंबर पर पहुंच सकती है।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' 556.22 करोड़ रुपए की दुनियाभर की कमाई के साथ दूसरे नंबर पर है।

वहीं, नंबर 1 पर रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' 1,813.39 करोड़ रुपए की दुनियाभर की कमाई के साथ पहले नंबर पर है। रजनीकांत ने दुनियाभर में 500 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई करने वाली अब 4 फिल्में दे दी हैं।

घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई, अक्षय के घर पर बुलेटप्रूफ ग्लास लगाने का काम शुरू

टाइगर फायरिंग केस में सलमान भी थे टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद मंगलवार को सलमान खान को मुंबई के एक प्राइवेट एयरपोर्ट पर देखा गया। उनके साथ भारी सुरक्षा थी। उनकी सिक्योरिटी में स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट के हथियारबंद जवान थे।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर पर हुई फायरिंग की घटना के बाद सलमान खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। वहीं, अक्षय कुमार के घर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके आवास पर बुलेटप्रूफ ग्लास शील्ड लगाने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

हालांकि, इस मामले को लेकर संबंधित सेलेब्स या उनकी टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

गौरतलब है कि टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग से जुड़े लोगों ने ली थी। फायरिंग के बाद लॉरेंस गैंग से होने का दावा करने वाले अनिल पंडित ने एक ऑडियो में सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी। उसने कहा, 'जो भी पूरी फिल्म इंडस्ट्री में हमसे अलग होकर काम करेगा या सलमान के साथ मिलकर काम करेगा, उसको हम मार देंगे। ये पहली और आखिरी चेतावनी है। सलमान खान एक बात ध्यान से सुन लें, तुम्हारे पूरे परिवार का नाश कर देंगे। ये बात माइंड में बिठा लेना। जो तुम ये सोचते हो ना कि तुम सिक्योरिटी में हो, तुम्हें कुछ नहीं होगा, तुम्हारा वो हाल करेंगे कि पूरी दुनिया याद रखेगी।'

सलमान खान गहरे नेवी ब्लू रंग की फुल-स्लीव बटन-डाउन शर्ट में नजर आए। उन्होंने शर्ट की आस्तीनें मोड़ रखी थीं।

टाइगर से पहले सलमान खान की रेकी हुई

टाइगर पर फायरिंग करने वाले आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पहले अमिताभ बच्चन, सलमान खान, आमिर खान और अक्षय कुमार की रेकी की थी, लेकिन सिक्योरिटी ज्यादा होने के कारण प्लान बदल दिया था।

आरोपियों के साथ एक चौथा युवक भी था, लेकिन वह हमले से एक रात पहले सिगरेट पीने के बहाने होटल से भाग गया। वहीं, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में मंगलवार को चार और लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने शूटरों को हथियार सप्लाई किए थे।

मंत्री ने कहा था- कभी अकेले नहीं मिला ■ कांग्रेस का सवाल- फिर तस्वीरें कहां से आईं

यौन अपराधी एपस्टीन और मंत्री हरदीप पुरी की फोटो वायरल

चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कई तस्वीरें वायरल हैं। ये तस्वीरे इसलिए अहम मानी जा रही हैं, क्योंकि पुरी लगातार कहते रहे हैं वे एपस्टीन से केवल प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले, अलग से कभी मुलाकात नहीं हुई।

तस्वीरें सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- जब पुरी ने कहा था कि वे एपस्टीन से कभी अकेले नहीं मिले, तो इन तस्वीरों के क्या मायने हैं? इन

■ अमेरिकी यौन अपराधी एपस्टीन और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की तस्वीरें अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मौजूद हैं।

तस्वीरों को जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ जारी जारी दस्तावेजों के नौवें सेट में रखा गया था। इस सेट में कम से कम 11 तस्वीरें हैं। मंगलवार को यह तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा में आई।

इन तस्वीरों में दोनों लगभग एक ही स्थिति में बैठे दिखाई देते हैं। तस्वीरों के कोण में मामूली अंतर है।

करोड़पति फाइनेंसर था यौन अपराधी एपस्टीन

जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी।

उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया।

उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली।

उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा- पुरी कहते थे कि वे एपस्टीन से तीन-चार बार डेलिगेशन के साथ मिले थे, दोनों तस्वीरों में बाकी सदस्य कहां थे।

नवंबर 2025 में पहली बार सामने आया नाम

हरदीप सिंह पुरी और जेफ्री एपस्टीन के संपर्क का मामला पहली बार नवंबर 2025 में सार्वजनिक चर्चा में आया था। उस समय हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की निगरानी समिति की ओर से जारी एक ईमेल में एपस्टीन और पुरी के बीच की बातचीत का जिक्र हुआ था।

इसके बाद अमेरिकी न्याय विभाग (DoJ) ने 30 जनवरी को एपस्टीन से जुड़े लाखों पन्नों के दस्तावेज जारी किए थे। इनमें जून 2014 से जून 2017 के बीच के ईमेल शामिल हैं।

राहुल गांधी के आरोपों को खारिज किया था

इस साल फरवरी में हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से एपस्टीन फाइलों को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया था। पुरी ने बताया था कि वह संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत का पद छोड़ने के बाद और 2017 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से पहले एपस्टीन से मिले थे। उन्होंने इन मुलाकातों को पूरी तरह पेशेवर बताया था और कहा था कि उनका एपस्टीन के खिलाफ लगे आपराधिक आरोपों से कोई संबंध नहीं था।

पुरी ने फरवरी में एक इंटरव्यू में कहा था कि वह इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूशन (IPI) से जुड़े एक डेलिगेशन के रूप में गए थे। उसी दौरान एपस्टीन से मिले। वे सार्वजनिक जीवन में कई तरह के लोगों से मिलते हैं, जिनमें से कुछ का आपराधिक रिकॉर्ड भी हो सकता है। पुरी के मुताबिक IPI में उनके बॉस टेर्जे रोड-लार्सन एपस्टीन को जानते थे।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ एक घंटे में पूरा भरा

मुंबई, एजेंसी

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड का देश का सबसे बड़ा IPO आज, 21 अक्टूबर को पहले ही दिन सिर्फ 1 घंटे में पूरा सब्सक्राइब हो गया है। एक शेयर की कीमत यानी प्राइस बैंड 1,065 से 1,119 है।

शेयर लेने के लिए आम निवेशक को कम से कम 13,428 लगाने होंगे। मैक्सिमम 14 लॉट यानी 168 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए 1.87 लाख रुपए लगेंगे। ग्रे मार्केट के हिसाब से लिस्टिंग पर 22% रिटर्न मिल सकता है। यह IPO 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

इस IPO में कंपनी 27 करोड़ शेयर जारी कर रही है। इसके जरिए 30,188 करोड़ रुपए जुटाएगी। लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप 10.30 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है।

यह आईपीओ ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। इसमें कुल 19,75,25,934 शेयर्स के

■ बड़े निवेशकों ने 8 गुना और आम लोगों ने 0.65 गुना सब्सक्राइब किया 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा

मुकाबले निवेशकों से 32,41,00,728 शेयर्स के लिए आवेदन मिले हैं। इस सब्सक्रिप्शन को मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों ने अपने कोटे से 4.86 गुना ज्यादा बोली लगाई है। बाकी कैटेगरी में अभी भी कोटे से कम आवेदन आए हैं। लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 22.52% यानी 252 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है।

फास्ट न्यूज

भारत में त्यौहारों के बावजूद स्मार्टफोन की बिक्री 26% घटी

नई दिल्ली । फेस्टिव सीजन के बावजूद भारत में पिछले 3 महीने में नए स्मार्टफोन की बिक्री 26% घट गई है। मार्केट रिसर्च फर्म 'Omdia' के मुताबिक, जुलाई से सितंबर के बीच देशभर में कुल 3.58 करोड़ फोन ही बिके। साल 2016 के बाद यानी पिछले 10 साल में यह किसी भी तिमाही का सबसे कम है। स्मार्टफोन के लगातार बढ़ते दाम और लोगों का पुराने फोन को ही लंबे समय तक इस्तेमाल करना इसकी सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।

एसबीआई के 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के करीब 4,000 ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। बैंक ने डेटा लीक की जांच भी शुरू कर दी है। SBI ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। बैंक ने बताया कि डार्क वेब पर लीक डेटा में से 3,897 कस्टमर रिकॉर्ड्स में पर्सनली आइडेंटिफिएबल इनफॉर्मेशन (PII) पाई गई है। PII यानी नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता, आधार या बैंक CIF नंबर जैसी डिटेल्स हैं।

अमेरिका में 50 साल बाद नई रिफाइनरी बनेगी

लंदन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो आज, 21 अक्टूबर को जामनगर पहुंचे हैं। वे यहां दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स का दौरा करेंगे। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलेंगे। रूबियो रिलायंस के साथ वेनेजुएला का कच्चा तेल रिफाइन करने पर बातचीत करेंगे।

भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री का पाकिस्तान पर बयान

कहा- वह परमाणु ताकत, उससे बातचीत जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं और उसकी भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि उससे बातचीत जरूरी है।

नेटवर्क18 को दिए एक इंटरव्यू में रूबियो ने कहा कि अमेरिका को उन देशों के साथ भी राजनयिक संबंध बनाए रखने पड़ते हैं, जिनसे उसके मतभेद हैं। रूबियो ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत भी ईरान के साथ संबंध रखता है और वहां के नेताओं से मुलाकात करता है। विदेश नीति में अलग-अलग देशों के साथ रिश्तों का संतुलन बनाए रखना मुश्किल है, लेकिन ऐसा करना जरूरी है। रूबियो ने कहा कि अमेरिका दुनिया में कहीं भी आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के पाकिस्तान से संबंध हैं और दोनों देश आपस में बात कर सकते हैं, तो इससे भारत की चिंताओं वाली गतिविधियों को रोकने में मदद मिल सकती है। रूबियो ने ईरान की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसके साथ समझौता करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से, ईरान के नेता समझौता करना नहीं जानते। वहां कट्टरपंथी शिया धर्मगुरुओं का प्रभाव है। मैं सभी शिया धर्मगुरुओं की बात नहीं कर रहा, बल्कि उन कट्टरपंथी धर्मगुरुओं की बात कर रहा हूं, जो धर्म के आधार पर फैसले लेते हैं। ऐसे लोगों के साथ समझौता करना बहुत मुश्किल है।"

हिंसक प्रदर्शन पर 21 लाख जुर्माना, 5 साल तक जेल, लूटपाट-आगजनी के बाद नए नियम लागू

इटली- नाबालिग ने तोड़फोड़ की तो माता-पिता भरपाई करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

इटली में हिंसक प्रदर्शन करने वालों को अब 5 साल तक जेल और करीब 21 लाख रुपए तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने मंगलवार को मिलान में दुकानों में लूटपाट और आगजनी के बाद सुरक्षा के नए नियमों को मंजूरी दी है। नए नियमों के तहत नाबालिगों के किए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता को करनी होगी। साथ ही, 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों पर केस चलाना आसान होगा।

उन्होंने कहा,17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन में कई युवा चीजें तोड़ने, चोरी करने और ऐसा करते हुए अपना वीडियो बनाने आए थे।

मेलोनी के मुताबिक, इस समस्या से गंभीरता से निपटना जरूरी है, ताकि हिंसा के वीडियो देखकर दूसरे युवा भी ऐसा करने के लिए प्रेरित न हों।

नए नियमों में 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को सामान्य तौर पर अपने काम के नतीजों को समझने में सक्षम माना जाएगा। अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि बच्चा अपने काम को समझने में सक्षम नहीं था, तो उसे इसके सबूत देने होंगे। अब तक यह फैसला जज करते थे कि कोई नाबालिग अपने काम के सही-गलत होने और उसके नतीजों को समझ सकता है या नहीं। नए नियमों से इस प्रक्रिया में बदलाव होगा। मेलोनी ने कहा कि सरकार हिरासत केंद्रों में और जगह बनाएगी। किशोर न्याय व्यवस्था में जजों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि नाबालिगों से जुड़े मामलों को संभालने में मदद मिल सके।

मिलान में 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात होंगे

सरकार ने मिलान में सुरक्षा बढ़ाने के लिए साल के आखिर तक 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि हिंसा में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का शामिल होना दुखद और डराने वाला है।

■ मिलान में 17 अक्टूबर को प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने गाड़ियों पर चढ़कर तोड़फोड़ की।

चेहरा ढकने या किसी को चोट पहुंचाने पर बढ़ेगी सजा

नए नियमों के तहत प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल होने को अलग अपराध बनाया गया है। अगर कोई आरोपी चेहरा ढककर हिंसा करता है या किसी को चोट पहुंचती है, तो उसकी सजा बढ़ाई जाएगी। प्रदर्शन के दौरान दुकानों या दूसरी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को उसकी भरपाई करनी होगी। सरकार के इस आदेश को स्थायी कानून बनाने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी है। संसद को 60 दिनों के भीतर इसे कानून में बदलना होगा।

यूक्रेनी सैनिक डेढ़ साल से बॉर्डर पर फंसा था, चारों तरफ बारूदी सुरंगें बिछी थीं

दुनिया में पहली बार ड्रोन से घायल सैनिक का रेस्क्यू

कीव, एजेंसी

दुनिया में पहली बार एक घायल सैनिक का ड्रोन से रेस्क्यू किया गया। कोस्त्यांतिन व्लासेंको नाम का यूक्रेनी सैनिक 491 दिनों से सीमा पर फंसा हुआ था।

चारों तरफ रूसी सैनिकों का खतरा था। जमीन पर बारूदी सुरंगें बिछी थीं और आसमान में मंडराते ड्रोन पर नजर पड़ते ही जान जाने का डर था। वह न तो आसानी से वहां से निकल सकता था और न ही कोई उसे बचाने पहुंच पा रहा था। ऐसे में उसे बचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

व्लासेंको को निकालने के लिए यूक्रेनी सेना ने पहले जमीन पर चलने वाले रोबोट का इस्तेमाल करने की कोशिश की। लेकिन रूसी

■ अस्पताल में इलाज के दौरान यूक्रेनी सैनिक व्लासेंको।

सैनिकों ने उसे रास्ते में ही पहचान लिया और नष्ट कर दिया। पैदल सैनिकों के लिए भी उस इलाके तक पहुंचना बहुत जोखिम भरा था।

ऐसे में सेना के सामने दो ही रास्ते थे। या तो व्लासेंको को उसी खतरनाक जगह पर छोड़ दिया जाए, या फिर उन्हें निकालने का कोई नया तरीका खोजा जाए। इसके बाद 30वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड और 92वीं असॉल्ट ब्रिगेड के सैनिकों ने

पैर सड़ा तो खुद ही चाकू से काटकर अलग किया

इस बीमारी में शरीर का प्रभावित हिस्सा सड़ने लगता है। इलाज न मिलने और हालत बिगड़ने के कारण व्लासेंको ने अपना पैर खुद काटकर अलग कर दिया। घायल होने के बाद भी सैनिक को पूरी तरह अकेला नहीं छोड़ा गया था। यूक्रेनी सेना ड्रोन से उसके लिए खाना, पानी और दवाएं भेजती थी।

हर 4-5 दिन में सामान उसके ठिकाने के पास गिराया जाता था। सैनिक रेंगकर वहां पहुंचता और जरूरत का सामान उठाता था। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी इसी मदद के सहारे वह दुश्मन के बीच अपनी जान बचाए रहा।

रूसी हमले में दोस्त मारा गया, खुद घायल हुए

कोस्त्यांतिन व्लासेंको पूर्वी यूक्रेन के कुपियांस्क मोर्चे पर तैनात थे। वहां रूसी सेना के हमलों का खतरा लगातार बना रहता था। व्लासेंको और उनका एक साथी कंक्रीट के नाली के पाइप में बने ठिकाने पर रहते थे। दोनों साथ मिलकर मोर्चा संभाल रहे थे। इसी साल 14 फरवरी को रूसी सेना के ड्रोन हमले में व्लासेंको के साथी की मौत हो गई। विस्फोटक के छर्रों से व्लासेंको भी घायल हुए। उनके दोनों पैर बुरी तरह जख्मी हो गए। व्लासेंको को तुरंत इलाज की जरूरत थी, लेकिन उस जगह तक डॉक्टरों का पहुंचना बेहद मुश्किल था। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके दाहिने पैर में गैंगरीन फैल गया।

भारी ड्रोन से उन्हें निकालने की योजना बनाई। इस अभियान की तैयारी में करीब छह महीने लगे। कई सैनिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने मिलकर ऐसा तरीका तैयार किया, जिससे एक घायल व्यक्ति को ड्रोन से हवा में उठाकर सुरक्षित जगह तक ले जाया जा सके।

अमेरिका ने भारत को रिफाइनिंग सुपरपावर बताया

दुनिया की तेल आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत को 'रिफाइनिंग सुपरपावर' बताया। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल, डीजल और दूसरे ईंधन बनाने की क्षमता है।

न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए मार्को रुबियो ने कहा, मेरा मानना है कि जैसे-जैसे वेनेजुएला का ज्यादा तेल बाजार में आएगा, भारत उसे रिफाइन कर सकता है। इससे दुनिया में तेल आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। रुबियो ने वेनेजुएला में भारतीय कंपनियों की मौजूदा तेल परियोजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां वहां पहले से मौजूद तेल संपत्तियों से उत्पादन बढ़ा सकती हैं। रुबियो के मुताबिक, इस मुद्दे पर भारत के साथ पहले भी बातचीत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में काम

■ विदेश मंत्री बोले- यहां वेनेजुएला का कच्चा तेल साफ होगा

करने के लिए तैयार और इच्छुक नजर आ रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस योजना को आगे बढ़ाने में अमेरिकी प्रतिबंधों और अन्य पाबंदियों से जुड़े मुद्दे सामने आ सकते हैं। इन पर अमेरिका और भारत को मिलकर काम करना होगा। मुंबई में 'फ्रीडम 250' कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और अमेरिका के बीच उन अहम मुद्दों पर असाधारण तालमेल है, जो दोनों देशों के राष्ट्रीय हितों को तय करते हैं।

सजा : केन्या में धर्मगुरु दोषी करार ■ जंगल से 400 से ज्यादा शव मिले

स्वर्ग का सपना दिखाकर 190 बच्चों को भूखा मारा

नैरोबी, एजेंसी

केन्या में धर्म के नाम पर बच्चों को भूखा रखकर मारने के मामले में धर्मगुरु पॉल मैकेंजी और उसके करीब 30 साथियों को दोषी ठहराया गया है।

रॉयटर्स को मुताबिक, मैकेंजी ने लोगों से कहा था कि दुनिया खत्म होने से पहले भूखे रहने पर वे स्वर्ग पहुंच जाएंगे। इस मामले में 190 बच्चों और एक वयस्क की मौत हुई। अब सजा 6 नवंबर को सुनाई जाएगी। मैकेंजी जिस शाकाहोला जंगल में रहता था, पुलिस को वहां सामूहिक कब्रों की जानकारी मिली। इसके बाद शव निकालने का काम शुरू हुआ। अब तक यहां 400 से

■ इस मामले में मारे गए बच्चों की कब्रों को सुनवाई के दौरान साथ रखा गया था।

ज्यादा शव मिल चुके हैं। सोमवार को अदालत ने 191 मौतों के मामले में फैसला सुनाया, जबकि बाकी मौतों की जांच अभी जारी है।

इस मामले का पता मार्च 2023 में चलना शुरू हुआ। उस समय एक स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसके भाई और भाभी ने मैकेंजी के आदेश पर जंगल में अपने बच्चों को भूखा रखकर मार दिया था। इसके बाद मैकेंजी को गिरफ्तार किया गया लेकिन जमानत पर रिहा कर दिया गया। उसके रिश्तेदारों का कहना है कि रिहाई के बाद उसने दुनिया खत्म होने की जो तारीख बताई थी उसे और करीब कर दिया।

■ दोषी मैकेंजी सोमवार को केन्या के मोम्बासा हाई कोर्ट में अपने फैसले के लिए जाते हुए।

ईसाई धर्म के नाम पर अलग ग्रुप चला रहा था मैकेंजी

सरकारी वकीलों के मुताबिक, मैकेंजी गुड न्यूज इंटरनेशनल चर्च के जरिए ईसाई धर्म के नाम पर एक ऐसा ग्रुप चला रहा था, जो दुनिया के खत्म होने की बात करता था। रॉयटर्स के मुताबिक, उसने लोगों को भूखा रखकर मारने की योजना तीन चरणों में बनाई थी। इस मामले में मैकेंजी ने हत्या के आरोपों से इनकार किया। उसने कहा कि उसने किसी को भूखा रहने के लिए मजबूर नहीं किया। हालांकि, अदालत ने उसकी दलील नहीं मानी।

नीदरलैंड के पहले गे पीएम जल्द पिता बनेंगे

सोशल मीडिया पर लिखा- 2027 में आएगा नया मेहमान

एम्सटर्डम, एजेंसी

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन 2027 में पिता बनेंगे। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। जेटेन के पार्टनर निकोलस कीनन अर्जेंटीना के हॉकी खिलाड़ी हैं।

जेटेन और उनके पार्टनर कीनन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा,हमारी जिंदगी में एक बहुत खास मेहमान आने वाला है। नन्हे बच्चे, 2027 में तुमसे मुलाकात होगी। डच मीडिया के मुताबिक बच्चे के जन्म के लिए सरोगेसी की मदद ली गई है। उनकी दो महिला दोस्तों ने इस प्रक्रिया में मदद की। एक ने अंडाणु दान किया, जबकि दूसरी बच्चे को जन्म देंगी।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जेटेन ऐसे पहले डच प्रधानमंत्री होंगे, जिनके कार्यकाल में उनके बच्चे का

जन्म होगा।

साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच नेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे।

वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। साल 2022 में कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटेन को देखा और उन्हें वायरल वीडियो की वजह से पहचान गए। इस दौरान दोनों की बातचीत शुरू हुई।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676